संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-23 अंक- 66
पृष्ठ 8
सोमवार
23 नवम्बर 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- ठंड भगाने के लिए बनाएं...

विचार- सोलह संस्कारों से सनातन संस्कृति...

खेल- क्या पारी से जीत पाएगा भारत?

चीन सीमा से सटे अरुणाचल प्रदेश के 40 गांवों में पलायन थमा, लोग लौटे, रोजगार और सुविधाओं से बढ़ी आबादी : अमित शाह

ईटानगर, एजेंसी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि चीन सीमा से सटे अरुणाचल प्रदेश के 40 गांवों में आबादी बढ़ी है और वहां से पलायन रुक गया है। केंद्र सरकार की ओर से बिजली, रोजगार, स्वास्थ्य और पेयजल जैसी सुविधाएं पहुंचाने से लोग इन गांवों में लौटने लगे हैं। सेना और भारत–तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) की ओर से स्थानीय सहकारी समितियों से उत्पादों की खरीद भी ग्रामीणों की आय बढ़ाने में मदद कर रही है। अरुणाचल प्रदेश में सहकारिता सम्मेलन को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि उन्होंने शनिवार को इस संबंध में समीक्षा की थी। गृह मंत्रालय ने आईटीबीपी और सेना को निर्देश दिए हैं कि वे अपनी जरूरत के उत्पाद तेजपुर या गुवाहाटी से



खरीदने के बजाय सीमावर्ती गांवों की सहकारी समितियों से खरीदें। इससे गांवों और सुरक्षा बलों के बीच संबंध भी मजबूत हुए हैं। शाह ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश की महिलाएं अपनी सहकारी समितियों के माध्यम से दूध, अंडे, सब्जियां, मोटे अनाज और आटा उपलब्ध करा रही हैं। इससे ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ रही है और स्थानीय कृषि को भी बढ़ावा मिल रहा है। गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीमावर्ती गांवों को देश का आखिरी गांव मानने की पुरानी सोच बदलकर उन्हें देश का पहला गांव बताया है। उन्होंने कहा कि विकास का सबसे बड़ा अधिकार सीमावर्ती गांवों का है। शाह ने रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और प्रत्येक परिवार की खुशहाली को अरुणाचल प्रदेश के विकास की चार प्रमुख प्राथमिकताएं बताया। उन्होंने सहकारी संस्थाओं और महिला स्वयं सहायता समूहों से राज्य को जरूरी खाद्य उत्पादों के मामले में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम करने का आह्वान किया। उन्होंने मुख्यमंत्री पेमा खांडू और उपमुख्यमंत्री को आश्वस्त किया कि केंद्र सरकार राज्य के विकास के लिए हरसंभव सहायता उपलब्ध कराएगी। शाह ने बताया कि वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के तहत राज्य के 11 सीमावर्ती जिलों के गांवों में मोबाइल मेडिकल यूनिट भी भेजी गई हैं। अमित शाह ने वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के तहत अरुणाचल प्रदेश के 11 सीमावर्ती जिलों में 110.95 करोड़ रुपये की लागत वाली 199 विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने 'अरुणाचल प्रदेश सहकारिता विजन 2047' का भी अनावरण किया। इसमें सहकारी क्षेत्र के विकास की रूपरेखा प्रस्तुत की गई है। इससे पहले शनिवार को शाह ने ईटानगर में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की थी। इसमें कानून–व्यवस्था, आंतरिक सुरक्षा, सीमा प्रबंधन और राज्य के विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। उन्होंने केंद्रीय और राज्य सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल, स्थानीय खुफिया तंत्र मजबूत करने और संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखने पर जोर दिया। अरुणाचल प्रदेश की चीन के साथ करीब 1,126 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा है। शाह ने बैठक में सीमा सुरक्षा और रणनीतिक बुनियादी ढांचे की भी समीक्षा की।

डिग्री से मिलती है पहली नौकरी, लेकिन पहचान और सफलता कौशल से आती है : राजनाथ सिंह

लखनऊ, संवाददाता। छात्रों को अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार करियर चुनने का सुझाव देते हुये रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि डिग्री उन्हें पहली नौकरी दिलाने में मदद कर सकती है, लेकिन उनकी पहचान और करियर में तरक्की उनके कौशल, पेशेवर ज्ञान और क्षमता से तय होती है। सिंह ने यहां बाबू बनारसी दास विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि छात्रों को खुद को केवल उसी क्षेत्र तक सीमित नहीं रखना चाहिए, जिसमें उन्होंने डिग्री हासिल की है। उन्होंने कहा, आपकी डिग्री आपकी योग्यता है, न कि आपकी पहचान। छात्रों को अपनी रुचि पहचानकर अपना रास्ता खुद बनाने की सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि जीवन में नए रास्ते बनाने और उन पर अकेले चलने से भी नहीं हिचकिचाना चाहिए।



फिल्म निर्माता रंजीत और भारत की श्वेत क्रांति के जनक डॉ. वर्गीज कुरियन का उदाहरण देते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि उनकी जीवन यात्रा बताती है कि लोग अपनी पढ़ाई के क्षेत्र से अलग काम करके भी बड़ी सफलता हासिल कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि रंजीत ने अर्थशास्त्र की पढ़ाई की थी, जबकि कुरियन ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी। बाद में कुरियन ने भारत में श्वेत क्रांति का नेतृत्व किया और अमूल जैसी संस्थाओं के माध्यम से सहकारी आंदोलन को मजबूत किया। सिंह ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी नई तकनीकें काम करने के तरीकों को तेजी से बदल रही हैं, जिन कामों को पूरा करने में पहले कई घंटे लगते थे, वे अब कुछ मिनटों या सेकंडों में किए जा सकते हैं। संसद के निचले सदन में लखनऊ का प्रतिनिधित्व करने वाले सिंह ने कहा कि इससे नए अवसर पैदा होंगे, लेकिन साथ ही नए कौशल सीखने की जरूरत भी बढ़ेगी।

जम्मू–कश्मीर के रामबन में आग से मची तबाही, चार घरों को आग ने अपनी चपेट में लिया

जम्मू, एजेंसी। जम्मू–कश्मीर में रामबन जिले के एक गांव में रविवार सुबह आग लगने से चार रिहायशी मकान जलकर खाक हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि भट्टी गनोटे गांव में सुबह करीब छह बजे एक मकान में आग लगी, जो तेजी से आसपास के मकानों तक फैल गई। उन्होंने कहा कि दमकलकर्मियों ने कई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। उन्होंने बताया कि आग में बशीर अहमद, फिरदौस अहमद, मोहम्मद इसराइल और इम्तियाज अहमद के मकान पूरी तरह जल गए। उनके अनुसार, हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। रामबन के उपायुक्त मोहम्मद इलियास खान और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अन्ना लता सिन्हा ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है।

भाजपा विधायक रेखा पात्रा की सेहत बिगड़ी, घर पर तबीयत खराब होने के बाद अस्पताल पहुंचाया गया

बारासात, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की विधायक रेखा पात्रा को घर पर तबीयत बिगड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पार्टी सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। उत्तर 24 परगना जिले के हिंगलगंज की विधायक पात्रा को शनिवार को पहले एक स्थानीय अस्पताल ले जाया गया और फिर बशीरहाट सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूत्रों ने बताया कि हालांकि, डॉक्टरों ने उन्हें कोलकाता के एक निजी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में स्थानांतरित करने का निर्णय लिया।

सूत्रों ने उनकी बीमारी के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। पश्चिम बंगाल के स्वास्थ्य मंत्री शरद्वत मुखर्जी ने अस्पताल जाकर पात्रा से मुलाकात की। उन्होंने पत्रकारों को बताया कि अब उनकी हालत स्थिर है। यह पूछे जाने पर कि क्या पात्रा की तबीयत खाद्य विषाक्तता के कारण बिगड़ी, जैसा कि खबरों में बताया जा रहा है, उन्होंने कहा, हम यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि उनकी तबीयत कैसे बिगड़ी।

प्रधानमंत्री की अपील से सोना कारोबारियों को राहत, भाजपा बोली-

व्यापारियों को नुकसान से बचाया

नयी दिल्ली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को कहा कि इस साल की शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा सोना नहीं खरीदने की अपील ने व्यापारियों को नुकसान से बचाया तथा इस अपील को डेथ वारंट और घबराहट पैदा करने वाला बताने के लिए विपक्षी कांग्रेस से माफी की मांग की। भाजपा की यह प्रतिक्रिया चौंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) द्वारा प्रधानमंत्री मोदी को एक पत्र लिखे जाने के बाद आई है। सीटीआई ने लोगों को सोना न खरीदने संबंधी प्रधानमंत्री की सलाह के लिए पत्र में उन्हें धन्यवाद दिया है। सीटीआई ने कहा कि प्रधानमंत्री की सलाह ने लाखों जौहरियों, व्यापारियों और निवेशकों को भारी नुकसान से बचाया, क्योंकि सोने की कीमत 1.90 करोड़ रुपये प्रति किलोग्राम से घटकर 1.25 करोड़ रुपये प्रति किलोग्राम हो गई, यानी इसमें 65 लाख रुपये प्रति किग्रा की कमी आई। साथ ही, यह भी कहा गया कि सोने की कीमतों में आई इस गिरावट से मौजूदा शादी–ब्याह के सीजन में परिवारों को काफी राहत मिली है।



भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए सोशल मीडिया मंच एक्स पर की गई पोस्ट में कहा कि जब प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के लोगों से सोना खरीदने को टालने की अपील की, तो कांग्रेस ने इसे डेथ वारंट करार दिया था। उन्होंने कहा, वैश्विक स्तर पर सोने की कीमतों में गिरावट आने से, प्रधानमंत्री मोदी की सलाह मानने वाले व्यापारियों को प्रति किग्रा सोना खरीदने पर 65 लाख रुपये की बचत हुई। व्यापारी संगठनों ने आज प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया है।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा, कांग्रेस को व्यापारियों को गुमराह करने और दहशत फैलाने के लिए उनसे माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा, गांधी–वाद्रा परिवार, जो तब आलीशान जीवन जीता था जब भारत की बहुसंख्यक आबादी गरीब थी, उसे प्रधानमंत्री मोदी से आर्थिक प्रबंधन और सादा जीवन जीने का तरीका सीखना चाहिए।

बीजेपी सांसद के निधन पर पीएम मोदी ने जताया दुख, बोले, समाज सेवा के लिए हमेशा याद किए जाएंगे

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यसभा सदस्य रामराव वडकुते के निधन पर शोक व्यक्त किया तथा कहा कि समाज के प्रति उनके योगदान और गरीबों एवं वंचितों की सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए उन्हें हमेशा याद किया जाएगा।

इसी साल उच्च सदन के लिए निर्वाचित हुए वडकुते का नयी दिल्ली के एक अस्पताल में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया।

मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, राज्यसभा सदस्य रामराव वडकुते जी के निधन से बेहद दुखी हूं।

समाज के प्रति उनके योगदान और गरीबों एवं वंचितों की सेवा पर जोर देने के लिए उन्हें हमेशा याद किया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र में भाजपा को मजबूत करने के लिए वडकुते ने जो प्रयास किए, वे भी उतने ही उल्लेखनीय हैं।

ट्रक ने ऑटो–रिक्शा को मारी टक्कर, तीन महिलाओं समेत एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

हैदराबाद तेलंगाना के विकाराबाद जिले में रविवार को सड़क हादसे में तीन महिलाओं समेत एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। यह हादसा ट्रक के ऑटो–रिक्शा में टक्कर मारने की वजह से हुआ है। पुलिस ने बताया कि यह हादसा बुग्गा रामेश्वरम के पास हुआ। ऑटो–रिक्शा के ड्राइवर और उसमें सवार तीन महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। ऑटो–रिक्शा उसी जिले के पेंडलिमुडुगु गांव से केरेली की ओर जा रहा था। मरने वाले एक ही परिवार के थे। उनकी पहचान नागेश, चंद्रम्मा, पर्वतम्मा और सरिता के रूप में हुई है। वे पेंडलिमुडुगु गांव के रहने वाले थे और किसी काम से दूसरे गांव जा रहे थे, तभी ट्रक ने उनके ऑटो–रिक्शा को टक्कर मार दी। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए पास के सरकारी अस्पताल में भेज दिया है।

मुंबईः चार मंजिला रिहायशी इमारत में लगी आग, 8 लोगों को बचाया गया, दमकलकर्मी घायल

मुंबई, एजेंसी। रविवार तड़के दक्षिण मुंबई की चार मंजिला रिहायशी इमारत में आग लग गई। इस घटना में दो बच्चों समेत आठ लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया, जबकि एक दमकलकर्मी घायल हो गया। उन्होंने बताया कि आग आधी रात के आसपास गिल्डार लेन पर स्थित हीरा मंजिल (नवजीवन सोसाइटी के पास) की दूसरी मंजिल के एक कमरे में लगी थी। करीब पांच घंटे तक चले बचाव अभियान के बाद सुबह 5.05 बजे आग पर काबू पा लिया गया। अधिकारियों के अनुसार दमकलकर्मियों ने टर्नटेबल सीढ़ी (ऊंची सीढ़ी) का इस्तेमाल करके तीसरी मंजिल पर फंसे एक पुरुष और दो महिलाओं को बचाया, जबकि पहली मंजिल से एक बुजुर्ग महिला को सीढ़ियों के रास्ते बाहर निकाला गया। उन्होंने बताया कि इसके अलावा चौथी मंजिल के एक कमरे से एक पुरुष, एक महिला, एक लड़के और एक लड़की को भी सीढ़ियों के रास्ते सुरक्षित नीचे लाया गया। बुजुर्ग महिला को घबराहट (पैनिक अटैक) होने के कारण पुलिस वैन से रिलायंस अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई।

PRESS
हमेशा आपके साथ
शहर समता NEWS

दैनिक एवं साप्ताहिक हिंदी समाचार पत्र

शहर समता
संयम ★ संस्कार ★ संतुलन

Website
www.shaharsamta.com

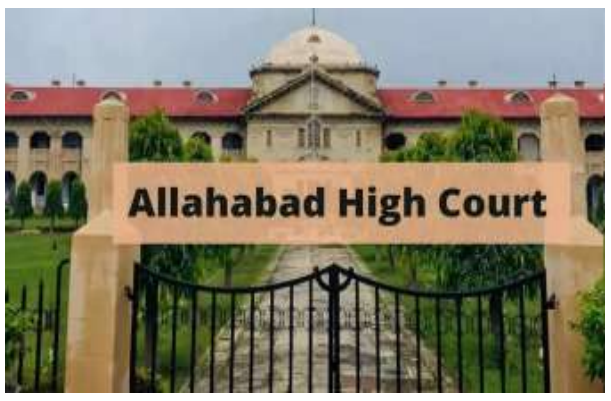
Subscribe on YouTube
youtube.com/@shaharsamtanews

सही खबर, सही समय पर

स्थापित 2001 • RNI Dainik UPHIN/2004/22466 • साप्ताहिक UPHIN/2001/03996 • कार्यालय 289/238 A कर्नलगंज प्रयागराज • संपर्क 9005239332, 9450482227

हाईकोर्ट : कोर्ट रूम में हंगामा करने वाले अज्ञात लोगों पर एफआईआर, रजिस्ट्रार ने कैंट थाने में लिखाई

प्रयागराज। हाईकोर्ट इलाहाबाद के कोर्ट रूम में हंगामा करने और न्यायाधीशों के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग करने के मामले में कैंट थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। यह एफआईआईर हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार इंद्रकांत शुक्ल की



तहरीर पर दर्ज की गई है। इलाहाबाद हाईकोर्ट में एक न्यायमूर्ति के कोर्ट रूम में 28 अक्तूबर को हुई घटना के मामले में कैंट थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। यह प्राथमिकी इलाहाबाद हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार इंद्रकांत शुक्ला की तहरीर पर दर्ज की गई है। आरोप है कि कुछ लोगों ने न्यायालय में हंगामा किया और न्यायाधीशों के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। इसके बाद कोर्ट की कार्यवाही समाप्त होने पर राज्य सरकार के सरकारी अधिवक्ताओं, कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों के साथ अभद्रता की गई। न्यायालय के फर्नीचर को भी इधर–उधर किया गया और सरकारी कामकाज में बाधा पहुंचाई गई। हाईकोर्ट की खंडपीठ ने 29 अक्तूबर को घटना पर कड़ा रुख अपनाते हुए आपराधिक कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसके बाद हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार ने 19 नवंबर को पुलिस कमिश्नर को पत्र भेजकर कार्रवाई की मांग की थी। रजिस्ट्रार की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

59 वर्ष की उम्र में पास की विशेष शिक्षक पात्रता परीक्षा, चयन आयोग ने जारी किया है परिणाम

प्रयागराज। परिषदीय स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों के लिए कराई गई विशेष शिक्षक पात्रता परीक्षा का परिणाम शुक्रवार को घोषित हो चुका है। उच्च प्राथमिक स्तर की परीक्षा में 55 प्रतिशत व प्राथमिक स्तर की परीक्षा में तकरीबन 30 प्रतिशत शिक्षक पास हुए हैं। परिषदीय स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों के लिए कराई गई



विशेष शिक्षक पात्रता परीक्षा का परिणाम शुक्रवार को घोषित हो चुका है। उच्च प्राथमिक स्तर की परीक्षा में 55 प्रतिशत व प्राथमिक स्तर की परीक्षा में तकरीबन 30 प्रतिशत शिक्षक पास हुए हैं। वहीं, कई ऐसे शिक्षकों ने परीक्षा पास की है जिनके रिटायरमेंट के तीन से चार वर्ष ही बचे हैं। इसमें ओम प्रकाश सिंह (59) और शुभ नारायण (57) भी शामिल हैं। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की ओर से जारी परिणाम में देवरिया के ओम प्रकाश सिंह को 90 अंक हासिल हुए हैं। वह अभी परिषदीय विद्यालय में प्रभारी प्रधानाध्यापक हैं। ऐसे कई शिक्षक उत्तीर्ण हुए हैं जिनकी उम्र 55 से 59 वर्ष हैं। उच्चतम न्यायालय ने कक्षा एक से आठवीं तक के परिषदीय स्कूलों में कार्यरत ऐसे शिक्षकों के लिए टीईटी पास करने का आदेश जारी किया गया जो बिना टीईटी के तैनात हैं। इस परीक्षा को पास करने के लिए 31 अगस्त 2028 तक का मौका भी दिया गया है। इसके बाद आयोग ने इन शिक्षकों के लिए तीन नवंबर को विशेष टीईटी कराई। परिणाम में प्राइमरी स्तर के 50,666 शिक्षक थे। इसमें महज 15,159 ही पास हो सके जबकि उच्च स्तर में 43,015 शिक्षकों ने परीक्षा दी थी जिसमें 23,743 शिक्षकों ने परीक्षा उत्तीर्ण की है।

अतीक के रिश्तेदारों पर जमीन हड़पने, धमकी देने का आरोप, एयरपोर्ट थाने में प्राथमिकी दर्ज

प्रयागराज। अधिवक्ता जीशान ने अतीक के साढू इमरान और उसके बेटों सहित 12 अन्य लोगों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। जीशान ने अपनी मां की जमीन पर फर्जी दस्तावेज बनाकर



कब्जा करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। अधिवक्ता जीशान ने अतीक के साढू इमरान और उसके बेटों सहित 12 अन्य लोगों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। जीशान ने अपनी मां की जमीन पर फर्जी दस्तावेज बनाकर कब्जा करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। एयरपोर्ट पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। एफआईआर के मुताबिक, जीशान का आरोप है कि उनके पिता, बड़े भाई और फूफा की हत्या में अतीक का हाथ था। अतीक और उसके भाई–रिश्तेदार इस मामले में आरोपी हैं और जेल जा चुके हैं। जीशान की मां दिल अफरोज कटहुला गौसपुर स्थित कई जमीनों की मालकिन हैं। आरोप है कि इमरान, उसके बेटे महताब उर्फ जिकरान, कामरान, जीशान उर्फ जानू, तुफैल उर्फ गुड्डू, रमेश तिवारी, श्रीकांत, गया यादव, महेंद्र केसरवानी, राज यादव, अमित कुशवाहा और संजय सिंह ने मिलकर जमीन हड़पने का प्रयास किया। कामरान ने अपनी जमीन के एक हिस्से का बैनामा रमेश तिवारी को किया। इसमें चौहद्दी गलत दिखाकर कब्जा देने की कोशिश की गई। वर्ष 2018 में हल्का लेखपाल की रिपोर्ट में जबरन निर्माण के प्रयास की पुष्टि हुई थी। जीशान ने बताया कि आरोपी अब उनकी कई अन्य जमीनों पर भी फर्जी और कूटरचित दस्तावेज बनाकर कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। पूर्व में भी इमरान और कामरान ने उनकी जमीनों पर कब्जा करने और बैनामा कराने की कोशिश की थी।इस संबंध में कई मुकदमे सिविल कोर्ट में विचाराधीन हैं। न्यायालय ने इन मामलों में स्थगन आदेश भी पारित किए हैं। जीशान का आरोप है कि जब वह अपनी जमीनों पर जाते हैं तो उन्हें जान से मारने की धमकी दी जाती है। जीशान ने यह भी आरोप लगाया कि पूर्व में उन पर हमला किया जा चुका है।

एयरपोर्ट के पास एयरोसिटी बसाने की तैयारी तेज, तीन गांवों के किसानों से सीधे जमीन खरीदेगा पीडीए

प्रयागराज। प्रयागराज एयरपोर्ट के पास आधुनिक टाउनशिप एयरोसिटी बसाने की तैयारी तेज हो गई है। करीब एक हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल में प्रस्तावित इस परियोजना के लिए पहले चरण में तीन गांवों के लगभग 330 काश्तकारों से 100.3426 हेक्टेयर जमीन खरीदी जाएगी। दूसरे चरण में दो गांवों के 283 काश्तकारों की 102.0590 हेक्टेयर जमीन लेने की योजना है।

एयरपोर्ट के पास नई टाउनशिप 'एयरोसिटी' के लिए पहले चरण में तीन गांवों की जमीन अधिग्रहीत की जाएगी। तकरीबन 330 काश्तकारों से 100 हेक्टेयर जमीन खरीदी जाएगी।प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) की ओर से जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। वैसे तो इस परियोजना का विस्तार तकरीबन एक हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल पर होना है लेकिन 100.3426 हेक्टेयर से इसकी शुरुआत होने जा रही है। पीडीए किसानों से सीधे जमीन खरीदेगा ताकि बिचौलियों का हस्तक्षेप रोका जा सके और किसानों को उनकी जमीन का पूरा मूल्य मिल सके। पहले चरण में कटहुला गौसपुर में 235 काश्तकारों, जलालपुर घोसी में सात और शेरपुर में 88 काश्तकारों से जमीन खरीदी जाएगी। वहीं, दूसरे चरण में कटहुला गौसपुर में 222 और शेरपुर में 61 काश्तकारों से 102.



0590 हेक्टेयर जमीन खरीदी जानी है। यानी पहले व दूसरे चरण में 200 हेक्टेयर से अधिक जमीन पर नई टाउनशिप बसाई जाएगी।

खतौनी सत्यापन का 80 फीसदी काम पूरा

पीडीए की ओर से अधिग्रहीत की जाने वाली काश्तकारों की जमीन की खतौनी का सत्यापन कराने के लिए तहसील सदर को दस्तावेज भेजे गए थे। पीडीए के सचिव विनीत कुमार सिंह ने बताया कि तकरीबन 80 फीसदी सत्यापन का कार्य पूरा हो चुका है। सत्यापन इसलिए कराया गया ताकि कोई त्रुटि हो तो उसके ठीक किया जा सके।

नई टाउनशिप में प्लॉट के साथ फ्लैट भी मिलेंगे

नई टाउनशिप में लोगों को फ्लैट के साथ प्लॉट खरीदने का मौका भी मिलेगा। पीडीए वहां बहुमंजिला ग्रुप हाउसिंग बनवाएगा। साथ ही छोटे व बड़े प्लॉट भी उपलब्ध कराएगा। नई टाउनशिप 'एयरोसिटी' में स्कूल, कॉलेज, पार्क, सामुदायिक केंद्र भी बनाए जाएंगे।

मेट्रो ट्रेन के संचालन से आसान होगा आवागमन

पीडीए की ओर से प्रस्तावित मेट्रो रेल के रूट में प्रयागराज एयरपोर्ट को भी शामिल किया गया है और नई टाउनशिप भी एयरपोर्ट के पास बसने जा रही है। ऐसे में टाउनशिप में जमीन व मकान लेने वालों के लिए टाउनशिप से शहर तक का आवागमन काफी आसान हो जाएगा।

डीपीआर के लिए एजेंसी का चयन जल्द

नई टाउनशिप एयरोसिटी कैसी होगी, इसका स्वरूप निर्धारित करने के लिए जल्द ही एजेंसी का चयन कर लिया जाएगा। इसके लिए टेंडर की प्रक्रिया चल रही है और कुछ एजेंसियों ने तकनीकी प्रस्तुतीकरण भी दिया है।

दोहरी भूमिका में निर्णय नहीं ले सकते प्रबंध समिति के सदस्य, दो पदों पर नहीं कर सकता हस्ताक्षर

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि शासनादेश के तहत गठित क्षेत्रीय स्तरीय समिति का कोई सदस्य दोहरी भूमिका में बैठक में शामिल होकर निर्णय नहीं ले सकता। एक ही अधिकारी का समिति में दो पदों पर प्रतिनिधित्व करना नियमों के विपरीत है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि शासनादेश के तहत गठित क्षेत्रीय स्तरीय समिति का कोई सदस्य दोहरी भूमिका में बैठक में शामिल होकर निर्णय नहीं ले सकता। एक ही अधिकारी का समिति में दो पदों पर प्रतिनिधित्व करना नियमों के विपरीत है। इस टिप्पणी संग न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की एकल पीठ ने प्रयागराज के मऊआइमा स्थित स्टैंडर्ड इंटर कॉलेज की याचिका स्वीकार करते हुए प्रबंध समिति के विवाद में पारित क्षेत्रीय स्तरीय समिति का आदेश रद्द कर दिया है।



मामले के अनुसार, कॉलेज में प्रबंधक का 20 फरवरी 2025 को निधन होने के बाद प्रबंधक पद को लेकर दो अलग–अलग चुनाव हुए। एक पक्ष ने जुबैद अहमद को प्रबंधक निर्वाचित बताया, जबकि दूसरे पक्ष में तत्कालीन उप प्रबंधक अयाज अहमद को प्रबंधक चुना गया। अयाज अहमद के हस्ताक्षर 10 जुलाई 2025 को प्रमाणित भी कर दिए गए थे। जुबैद अहमद की मान्यता का आदेश हाईकोर्ट पहले ही रद्द कर चुका था।

याचिका में कहा गया कि क्षेत्रीय स्तरीय समिति की बैठक में डॉ. बृजेश मिश्रा ने संयुक्त शिक्षा निदेशक और उप शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) दोनों की हैसियत से भाग लिया। कोर्ट ने इस आपत्ति को सही पाया। कोर्ट ने कहा कि 19 दिसंबर 2000 के शासनादेश के तहत गठित तीन सदस्यीय समिति में एक अधिकारी दो पदों पर सदस्य के रूप में कार्य नहीं कर सकता।

शासन ने 17 जून 2026 के शासनादेश से भी ऐसी स्थिति में व्यवस्था स्पष्ट कर दी है। इसके तहत अधिकारी अपने मूल पद पर ही हस्ताक्षर करेंगे और दूसरे पद के लिए लिंक मंडल के समकक्ष अधिकारी को शामिल किया जाएगा। हाईकोर्ट ने क्षेत्रीय स्तरीय समिति को नए सिरे से विवाद दो महीने में तय करने का निर्देश दिया है। साथ ही यह स्पष्ट किया कि प्रबंधक पद के विवाद के गुण–दोष पर कोर्ट ने कोई टिप्पणी नहीं की है।

बीएचयू अस्पताल में दवाओं की खरीद से जुड़े रिकार्ड सुरक्षित रखने का आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बीएचयू से जुड़े अस्पताल में दवाओं और चिकित्सा उपकरणों की खरीद में कथित अनियमितता पर कुलपति और रजिस्ट्रार से 10 दिन में जवाब मांगा है। उन्हें जांच समितियों की रिपोर्ट और उस पर की गई कार्रवाई का ब्योरा शपथपत्र के साथ दाखिल करना होगा।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बीएचयू से जुड़े अस्पताल में दवाओं और चिकित्सा उपकरणों की खरीद में कथित अनियमितता पर कुलपति और रजिस्ट्रार से 10 दिन में जवाब मांगा है। उन्हें जांच समितियों की रिपोर्ट और उस पर की गई कार्रवाई का ब्योरा शपथपत्र के साथ दाखिल करना होगा।

यह आदेश न्यायमूर्ति चंद्रधारी सिंह और न्यायमूर्ति तरुण सक्सेना की खंडपीठ ने अमित कुमार मिश्र व दो अन्य की जनहित याचिका पर दिया है।याचिका में दवाओं और सर्जिकल सामग्री की खरीद का दावा किया गया है। साथ ही जांच के लिए सीबीआई या एसआईटी के गठन का निर्देश दिए जाने की मांग भी की गई है।



में गड़बड़ी का आरोप लगाया गया है। आरोप है कि बिना टेंडर खरीद की गई। कीमतें भी बढ़ाकर दिखाई गईं। घटिया चिकित्सा सामग्री खरीदे जाने

याचियों की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता ने दलील दी कि विश्वविद्यालय की जांच समितियों ने अगस्त और सितंबर 2026 में रिपोर्ट सौंपी थी। इनमें गंभीर अनियमितताओं का उल्लेख है। इसके बावजूद कुलपति ने कोई कार्रवाई नहीं की।

रिपोर्टों को सार्वजनिक भी नहीं किया गया। लिहाजा, कोर्ट ने खरीद से जुड़े सभी रिकॉर्ड सुरक्षित रखने का आदेश दिया है। इनमें टेंडर, आपूर्ति, स्टॉक रजिस्टर, बिल और भुगतान वाउचर शामिल हैं। अगली सुनवाई तक इन रिकॉर्डों को नष्ट करने या उनमें छेड़छाड़ करने पर रोक रहेगी।

कोर्ट ने चेतावनी भी दिया है। कहा कि 10 दिन में रिपोर्ट दाखिल नहीं हुई तो कुलपति या रजिस्ट्रार को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना होगा। मामले में राज्य सरकार को भी जवाब दाखिल करना है। मामले की अगली सुनवाई 11 दिसंबर को होगी।

शहर के हर कोने को व्यावसायिक क्षेत्र में तब्दील करना पीढ़ियों के लिए विनाशकारी

प्रयागराज। हाईकोर्ट, सर्किट हाउस और आसपास की सड़कों पर वेंडिंग जोन या शहरी बाजार बनाने पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। कोर्ट ने कहा कि शहर के हर कोने को व्यावसायिक क्षेत्र में तब्दील करने वाला मास्टर प्लान आने वाले पीढ़ियों के लिए विनाशकारी योजना साबित होगी। इस तल्ख टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति अजित कुमार और न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की खंडपीठ ने प्रयागराज नगर निगम को बाजार के लिए वैकल्पिक स्थान तलाशने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि वैकल्पिक जगह पर सीमांकन के साथ वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था भी होनी चाहिए। कोर्ट अरविंद कुमार मिश्रा के साथ जुड़ी हुई तीन अन्य याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई कर रहा है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि पार्किंग की व्यवस्था के बिना न तो वेंडिंग जोन बनाया जा सकता है और न ही शहरी बाजार चलाया जा सकता है। संबंधित सड़क प्रयागराज की प्रमुख सड़कों में शामिल है। इसके आसपास शिक्षा विभाग, राजकीय मुद्रणालय और राजस्व परिषद जैसे महत्वपूर्ण सरकारी कार्यालय हैं। नगर निगम ने ग्रीन बेल्ट के सामने पार्किंग बनाने का प्रस्ताव दिया था। कोर्ट ने इसे स्वीकार नहीं किया। कहा कि इससे सड़क की चौड़ाई कम होगी और वाहनों के आवागमन में परेशानी होगी। कोर्ट ने शहर के सुनियोजित विकास पर भी जोर दिया। कहा कि आवासीय और व्यावसायिक क्षेत्रों का अलग–अलग निर्धारण होना चाहिए। आवासीय इलाके शहर के फेफड़ों की तरह होते हैं। इन्हें भारी वाहनों, जाम और शोर से बचाना जरूरी है।

सत्ता का संग्राम: फूलपुर विधानसभा में क्या है विकास की जमीनी हकीकत

प्रयागराज। यूपी में अगले साल यानी 2027 में विधानसभा का चुनाव होना है। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए सभी छोटे–बड़े दल अपने–अपने समीकरण साधने में जुट गए हैं। सपा जहां अपनी खोई हुई जमीन वापस पाना चाहती है, वहीं भजापा लगातार तीसरी बार सत्ता में आने के लिए पूरा जोर लगा रही है। इसी कड़ी में फूलपुर विधानसभा सीट पर लोगों से बातचीत की गई। यूपी में अगले साल यानी 2027 में विधानसभा का चुनाव होना है। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए सभी छोटे–बड़े दल अपने–अपने समीकरण साधने में जुट गए हैं। सपा जहां अपनी खोई हुई जमीन वापस पाना चाहती है वहीं भजापा लगातार तीसरी बार सत्ता में आने के लिए पूरा जोर लगा रही है। भाजपा सरकार के कामकाज से जनता कितना संतुष्ट है और शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार को लेकर लोगों की राय क्या है? प्रदेश की जनता के मन की बात जानने के लिए एक अभियान चलाया है। इस अभियान के तहत टीम प्रदेश की सभी विधानसभाओं में जाकर तमाम मुद्दों को लेकर लोगों से बात कर रही है और ये जानने की कोशिश कर रही है कि क्षेत्र के मौजूदा विधायक के काम–काज से जनता कितना संतुष्ट है? इसी कड़ी में फूलपुर विधानसभा सीट पर अमर उजाला की टीम ने जायजा लिया।

फूलपुर के व्यापारियों ने खोले चुनावी पत्ते!

फूलपुर विधानसभा का दौरा किया। इस दौरान स्थानीय लोगों से बात कर सरकारी योजनाओं और विकास की जमीनी हकीकत जानने की कोशिश की। बातचीत के दौरान व्यापारियों ने बताया कि उनके लिए सबसे जरूरी कानून–व्यवस्था थी जो बीजेपी की सरकार आने के बाद से बहुत अच्छी है। आगे उन्होंने बताया कि व्यापारी लगातार तरक्की कर रहे हैं। बिजली, सड़के और सारी मूलभूत सुविधाएं योगी सरकार में मिल रही हैं। व्यापारियों ने कहा कि जब प्रदेश में बीजेपी की सरकार नहीं थी तब भी और आज भी व्यापारी बीजेपी के साथ हैं और तीसरी बार भी बीजेपी की सरकार बनेगी।

फूलपुर में किसानों के क्या हैं मुद्दे?

फूलपुर में किसानों ने बताया की योगी सरकार में चारों तरफ विकास हो रहा है। बिजली, सड़क और कानून व्यवस्था प्रदेश की बहुत अच्छी है। रविन्द मिश्रा नाम के किसान ने बताया कि बताने की जरूरत नहीं है आप खुद देख लीजिए विकास हुआ है कि नहीं। आगे बताया कि पहले पता नहीं चलता था कि सड़कों में गड्ढा है कि गड्ढों में सड़क है। किसान का सबसे बड़ा मुद्दा था भयमुक्त वातावरण जो योगी सरकार में हुआ है। प्रदेश में माफिया राज का खात्मा हो गया है। इन्हीं तमाम मुद्दों में वो लोग वोट करेंगे।

पिछले 10 साल में कितने बदले हालात?

फूलपुर में लोगों ने कहा कि योगी तीसरी बार प्रदेश के सीएम बनेंगे, बीजेपी की योगी सरकार में विकास बहुत तेज गति से हुआ है। साथ ही लोगों ने बताया प्रदेश में कोई भी किसी समय आता–जाता हा किसी को कोई परेशानी नहीं है। प्रदेश में माफियाराज खत्म हो गया है अभी भय मुक्त वातावरण है। आगे लोगों ने बताया कि पहले की अपेक्षा अभी बिजली बहुत अच्छी है। स्थानीय लोगों ने बताया कि बीजेपी से पहले वो लोग खुद को असुरक्षित महससू करते थे लेकिन वर्तमान वो लोग खुद सुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

फूलपुर के युवा किस मुद्दे पर करेंगे वोट?

फूलपुर विधानसभा में युवाओं ने बताया कि योगी सरकार में कानून–व्यवस्था बहुत अच्छी है और वो चाहते हैं कि योगी तीसरी बार सीएम बनें। युवाओं ने बताया कि अतीक अहमद जैसे लोगों ने अराजकता मचा रखी थी लेकिन योगी सरकार में माफिया राज का खात्मा हो गया है। युवाओं ने आगे बताया कि इस बार वो विकास के नाम पर वो लोग वोट करेंगे। बीजेपी की योगी सरकार में मूलभूत सुविधाएं बहुत अच्छी हैं और इसी आधार पर वो मतदान करेंगे। अब महिलाओं को बाहर निकलने में कोई समस्या नहीं होती है पहले बाहर जाने से पहले कई बार सोचना पड़ता था।

योगी सरकार में कैसी है महिला सुरक्षा?

फूलपुर विधानसभा में महिला सुरक्षा को लेकर स्थानीय महिलाओं ने बताया कि उन्हें योगी सरकार में सुनहरा मौका मिला है। अब महिलाएं भय मुक्त होकर बाहर निकलती हैं। महिलाओं ने बताया पहले घर से जाने से पहले सौ बार सोचना पड़ता था लेकिन अब प्रदेश का माहौल बदल गया है। अब महिलाएं निडर होकर बाहर जाती हैं, नौकरी करती हैं, पढ़ाई करती हैं और अपने जीवन में आगे बढ़ रही हैं। साथ महिलाओं ने योगी सरकार के काम की जमकर तारीफ की।

नगर निगम कर्मचारियों से मारपीट करने वालों पर दर्ज होगी एफआईआर

प्रयागराज। नगर निगम के जोन–पांच और जोन–आठ कार्यालयों में कर्मचारियों के साथ शुक्रवार को हुई मारपीट की घटनाओं को नगर आयुक्त सीलम साई तेजा ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने दोनों मामलों में एफआईआर दर्ज कराने और घटना में शामिल आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। साथ ही, घटनाओं में लापरवाही बरतने वाले संबंधित जोन के कर्मचारियों पर भी दंडात्मक कार्रवाई करने को कहा है। शनिवार को नगर निगम कर्मचारी एसोसिएशन और राजस्व निरीक्षकों ने इस संबंध में नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान पीड़ित राजस्व निरीक्षक हर्ष वर्धन कुशवाहा और कंप्यूटर ऑपरेटर आशीष पांडे भी अपनी शिकायत लेकर पहुंचे। कर्मचारियों ने हमलावरों के खिलाफ कार्रवाई और सुरक्षा की मांग की। नगर आयुक्त ने पूरे घटनाक्रम की जानकारी लेकर कर्मचारियों को हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर सरकारी कर्मचारियों के साथ मारपीट करने वालों की पहचान कराई जाएगी और उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज होगी। मामले से डीसीपी गंगापार और यमुनापार को भी अवगत करा दिया गया है। नगर आयुक्त ने स्पष्ट किया कि सरकारी भूमि पर बिना अभिलेखों के भविष्य में कर निर्धारण नहीं किया जाएगा। आबादी की भूमि पर पहले हुए कर निर्धारणों की सूची सत्यापन के लिए एसडीएम करछना और नजूल विभाग को भेजी जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी को भी अनुशासन भंग करने और सरकारी कर्मचारियों के साथ मारपीट करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

संगम की रेती पर कटेंगे आरक्षित और जनरल टिकट, माघ मेला के त्रिवेणी रोड पर लगेगा रेलवे का शिविर

प्रयागराज। माघ मेले में यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे प्रशासन क्षेत्र के त्रिवेणी रोड पर हाईटेक शिविर लगाएगा। इसमें आरक्षित और अनारक्षित टिकटों की भी व्यवस्था रहेगी। माघ मेले में यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे प्रशासन क्षेत्र के त्रिवेणी रोड पर हाईटेक शिविर लगाएगा। इसमें आरक्षित और अनारक्षित टिकटों की भी व्यवस्था रहेगी। इसके साथ ही प्रयागराज के सभी प्रमुख स्टेशनों से संचालित होने वाली ट्रेनों की जानकारी उपलब्ध होगी। प्रयागराज मंडल के पीआरओ अमित कुमार सिंह ने बताया कि शिविर 10 जनवरी से शुरू करने की तैयारी है।

संक्षिप्त

लोजपा के नेताओं ने सुभासपा की सदस्यता ली

लखनऊ, संवाददाता। 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी) ने उत्तर प्रदेश में संगठन विस्तार की मुहिम तेज कर दी है। रविवार को पार्क रोड स्थित विधायक निवास पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने प्रेसवार्ता की। इस दौरान उन्होंने लोजपा छोड़कर आए कई नेताओं समेत अन्य लोगों को पार्टी की सदस्यता दिलाई। राजभर ने नए सदस्यों का स्वागत करते हुए संगठन को मजबूत करने की बात कही। ओमप्रकाश राजभर ने आम आदमी पार्टी और समाजवादी पार्टी को भी निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में आम आदमी पार्टी का कोई जनाधार नहीं है। वहीं, अखिलेश यादव के साथ ऐसे लोग जुट रहे हैं, जिनका अपना कोई जनाधार नहीं है। राजभर ने कहा कि पार्टी लगातार अपना संगठन मजबूत करने में जुटी है और नए लोगों को जोड़ने का अभियान चलाया जा रहा है। राजभर ने पार्टी में शामिल हुए नए नेताओं और कार्यकर्ताओं का स्वागत किया। सदस्यता कार्यक्रम को आगामी विधानसभा चुनाव से पहले संगठन विस्तार की कवायद के तौर पर देखा जा रहा है। पार्टी का फोकस नए नेताओं और कार्यकर्ताओं को जोड़कर प्रदेश में अपनी राजनीतिक गतिविधियों को विस्तार देने पर है।

नाले में मिला चार दिन से लापता युवक का शव

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी में एक युवक का शव नाले में मिला। बांक नाले में शव देखकर आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। ग्रामीणों की मदद से पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया। मृतक की पहचान सुरेंद्र (35) पुत्र सियाराम के रूप में हुई। वह चार दिन से लापता था। गुमशुदगी दर्ज होने के बाद से पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। घटना निगोहां थाना क्षेत्र की है। परसपुर ठट्ठा गांव में सुरेंद्र अपने परिवार के साथ रहता था। परिवार में पत्नी शोभावती, दो बेटे और दो बेटियां हैं।परिजनों के मुताबिक, वह गुरुवार को पास के गांव में मजदूरी करने गया था, लेकिन घर नहीं लौटा। दो दिन तक उसके घर न पहुंचने पर परिजनों ने निगोहां थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। रविवार सुबह ग्रामीणों ने गांव के किनारे बांक नाले में शव उतराता देखा और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव बाहर निकलवाकर उसकी पहचान कराई। मौके पर पहुंचे परिजनों ने भी शव की पहचान की। थाना प्रभारी रवींद्र कुमार ने बताया कि परिजनों ने किसी तरह की आशंका नहीं जताई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पंचायतनामा समेत जरूरी कानूनी कार्रवाई की जा रही है और मामले की जांच जारी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण साफ हो सकेगा।

संतोष दीक्षित को कथाक्रम सम्मान-2026 मिला

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी के कैफे आजमी अकादमी सभागार में रविवार को 34वें अखिल भारतीय आयोजन कथाक्रम–2026 में वरिष्ठ कथाकार संतोष दीक्षित को आनंद सागर स्मृति कथाक्रम सम्मान–2026 से सम्मानित किया गया। इस दौरान हिंदी कथा साहित्य की परंपरा, बदलती संवेदना और उसकी सामाजिक भूमिका पर चर्चा हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ कथाकार राजेंद्र राव ने की। मुख्य अतिथि के रूप में प्रख्यात कथाकार शिवमूर्ति मौजूद रहे। कथाकार रजनी गुप्त ने संतोष दीक्षित के साहित्यिक योगदान और रचनात्मक यात्रा पर प्रकाश डाला। मीनू अवस्थी ने सम्मान पत्र का वाचन किया। इसके बाद उन्हें सम्मान प्रदान किया गया। सम्मान मिलने पर संतोष दीक्षित ने कहा कि कथाक्रम सम्मान कथा साहित्य की दुनिया का प्रतिष्ठित सम्मान है। देशभर के साहित्यकारों को हर साल इसके चयन का इंतजार रहता है। उन्होंने कहा कि कथाक्रम समिति ने उनकी रचनात्मकता को पसंद किया और सराहा, यह उनके लिए सौभाग्य की बात है। बिहार के पटना जिले के रहने वाले संतोष दीक्षित ने बताया कि वह करीब 35 साल से साहित्य लेखन कर रहे हैं। अब तक उनके छह उपन्यास और चार–पांच कहानी संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं। कई अन्य रचनाओं पर भी काम जारी है। उनकी कहानियां लगातार साहित्यिक पत्रिकाओं में प्रकाशित होती रहती हैं। कथाक्रम संयोजक शैलेन्द्र सागर ने अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि यह सम्मान वर्ष 1997 में शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य हिंदी कथा साहित्य में उल्लेखनीय योगदान देने वाले रचनाकारों को सम्मानित करना है। सम्मान समारोह के बाद संगोष्ठी आयोजित हुई। इसमें हिंदी कहानी की बदलती संवेदना और मौजूदा दौर की चुनौतियों पर साहित्यकारों ने विचार रखे। कार्यक्रम में रंगकर्मी राकेश समेत साहित्य जगत से जुड़े लोग मौजूद रहे।

24 नवंबर से सैयद मोदी बैडमिंटन चौंपियनशिप, एंट्री फ्री

लखनऊ, संवाददाता। मोदी इंडिया बैडमिंटन चौंपियनशिप 24 से 29 नवंबर तक गोमतीनगर स्थित बीबीडी यूपी बैडमिंटन अकादमी में खेली जाएगी। इस टूर्नामेंट में कुल 2,50,000 अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि विजेता खिलाड़ी को मिलेगी। चौंपियनशिप में भारत, इंडोनेशिया, मलेशिया, थाईलैंड, सिंगापुर, इंग्लैंड और फ्रांस समेत 22 देशों के 263 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। इनमें सबसे बड़ा दल मेजबान भारत का है, जिसके 146 खिलाड़ी कोर्ट में उतरेंगे। खिलाड़ियों के अभ्यास के लिए बीबीडी अकादमी के साथ ओमैक्स हाइट्स स्थित गौरव खन्ना एक्सीलिया सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में भी व्यवस्था की गई है। चौंपियनशिप के मैच देखने आ रहे दर्शकों के लिए एंट्री पूरी तरह से फ्री रहेगी। सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबलों का दूरदर्शन पर सीधा प्रसारण किया जाएगा। ये जानकारियां उत्तर प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन के चेयरमैन डॉ. नवनीत सहगल और अध्यक्ष विराज सागर दास ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में दीं। इस दौरान दिवंगत सचिव डॉ सुधर्मा सिंह के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि भी दी गई। भारतीय बैडमिंटन एसोसिएशन (बीएआई) के तत्वावधान में यूपी बैडमिंटन एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में पुरुष एकल, महिला एकल, पुरुष युगल, महिला युगल और मिश्रित युगल के मैच होंगे। सभी पांच वर्गों के मुख्य ड्रॉ में 32–32 खिलाड़ी या जोड़ियां होंगी, जिनमें 28 सीधे प्रवेश पाएंगे और 4 स्थान क्वालिफाइंग मैचों से भरे जाएंगे। क्वालिफाइंग मुकाबले और मुख्य ड्रॉ के कुछ मैच 24 नवंबर को होंगे, जबकि फाइनल 29 नवंबर को खेला जाएगा। पुरुष एकल में भारत के अनुभवी खिलाड़ी एचएस प्रणय को तीसरी वरीयता मिली है, जबकि सिंगापुर के जिया हेंग जेसन तेह शीर्ष और मलेशिया के ली जी जिया दूसरी वरीयता पर हैं। महिला एकल में जापान की रिको गुंजी शीर्ष वरीयता पर हैं, वहीं भारत की तन्वी शर्मा को दूसरी और उन्नति हुड्डा को तीसरी वरीयता मिली है।

सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज में दो दिवसीय मूट कोर्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

प्रयागराज। बी.ए. एलएल.बी. (ऑनर्स), विधि विभाग, सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज, प्रयागराज द्वारा महाविद्यालय के आदरणीय प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे की अनुमति एवं निर्देशन में 21 एवं 22 नवंबर, 2026 को दो दिवसीय मूट कोर्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विधि के विद्यार्थियों को विधिक अनुसंधान, मेमोरियल लेखन, विधिक मुद्दों के निर्धारण तथा न्यायालय में प्रभावी बहस एवं प्रस्तुतीकरण से संबंधित आवश्यक व्यावहारिक कौशलों से परिचित कराना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ बी.ए. एलएल.बी. (ऑनर्स) पंचवर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम की समन्वयक 'श्रीमती रेनू सिंह' के स्वागत उद्बोधन से हुआ। उन्होंने आमंत्रित विशेषज्ञ, विभाग के शिक्षकों एवं प्रतिभागी विद्यार्थियों का स्वागत किया। दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की विशेषज्ञ वक्ता 'सुश्री दिव्या राज', संकाय सदस्य, बी.बी.एस. इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ रहीं। उन्होंने नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, दिल्ली से एलएल.एम. तथा डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ से बी.ए. एलएल.बी. (ऑनर्स) की उपाधि प्राप्त की है।

प्रथम दिवस के सत्र में विशेषज्ञ वक्ता ने मूटिंग की मूलभूत अवधारणाओं तथा विधिक शिक्षा और व्यावसायिक विकास में इसकी महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को मूट प्रपोजिशन (वाद–विवाद हेतु निर्धारित तथ्य एवं समस्या) को समझने, प्रासंगिक तथ्यों एवं विधिक प्रश्नों की पहचान करने, विधिक अनुसंधान करने तथा सुव्यवस्थित मेमोरियल तैयार करने की व्यावहारिक जानकारी दी। विशेष रूप से विधिक तर्कों के विकास हेतु प्र।ब पद्धति (प्नम, ल्नसम, ।चचसपबंजपवद ंदक ब्बदबसनेपवद) अर्थात् मुद्दा, विधिक नियम, तथ्यों पर उसका अनुप्रयोग एवं निष्कर्ष के महत्व को विस्तार से समझाया। इसके साथ ही न्यायालय में मौखिक बहस, न्यायाधीशों के समक्ष पक्ष प्रस्तुत करने की कला, न्यायालयीन शिष्टाचार तथा आत्मविश्वास एवं तार्किकता के साथ अपने पक्ष को रखने के विभिन्न पहलुओं पर भी मार्गदर्शन प्रदान किया।



द्वितीय दिवस का सत्र मूट कोर्ट की तैयारी के उन्नत एवं व्यावहारिक पहलुओं पर केंद्रित रहा। सुश्री राज ने विद्यार्थियों को दिए गए मूट प्रपोजिशन का सूक्ष्म विश्लेषण एवं उसके विभिन्न पहलुओं को समझने, विधिक मुद्दों का निर्धारण करने तथा वाद की पोषणीयता की जाँच करने की प्रक्रिया समझाई। उन्होंने निर्धारित मुद्दों के आधार पर प्रभावी विधिक तर्क विकसित करने, विस्तृत मेमोरियल तैयार करने तथा विभिन्न ऑनलाइन विधिक डेटाबेस के माध्यम से प्रभावी अनुसंधान करने की तकनीकों पर विस्तार से चर्चा की। विद्यार्थियों को अपने तर्कों के समर्थन में प्रासंगिक वैधानिक प्रावधानों, न्यायिक निर्णयों एवं अन्य विधिक प्राधिकारों की खोज एवं उनके उचित उपयोग के संबंध में भी मार्गदर्शन दिया गया। सत्र में अंतिम मौखिक बहस की तैयारी, तर्कों को क्रमबद्ध रूप से प्रस्तुत करने, न्यायाधीशों के प्रश्नों का उत्तर देने तथा विधिक व्यवसाय में व्यावसायिक नैतिकता, न्यायालयीन अनुशासन एवं सत्यनिष्ठा के महत्व पर भी विशेष बल दिया गया।

दोनों दिवस के सत्र अत्यंत संवादात्मक एवं व्यावहारिक रहे। इन सत्रों के माध्यम से विद्यार्थियों को यह समझने का अवसर मिला कि मूटिंग केवल सार्वजनिक रूप से बोलने अथवा बहस करने की कला नहीं है, बल्कि इसके लिए गहन विश्लेषणात्मक चिंतन, सुव्यवस्थित अनुसंधान, तार्किक विधिक समझ, प्रभावी लेखन एवं प्रभावशाली प्रस्तुतीकरण की आवश्यकता होती है। कार्यक्रम का समापन 'डॉ. अनुश्री पाण्डेय' द्वारा प्रस्तुत औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उन्होंने कार्यक्रम के आयोजन हेतु प्राचार्य महोदय के प्रति आभार व्यक्त किया तथा विशेषज्ञ वक्ता को उनके बहुमूल्य मार्गदर्शन, उपस्थित शिक्षकगण एवं प्रतिभागी विद्यार्थियों को उनके सहयोग एवं सक्रिय सहभागिता के लिए धन्यवाद दिया। इस अवसर पर विभाग के शिक्षकगण श्री विनय त्रिपाठी, श्री हिमांशु उपाध्याय, श्री संदीप अग्रहरि एवं सुश्री कल्पिता यादव उपस्थित रहे। यह दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यार्थियों की व्यावहारिक विधिक शिक्षा को सुदृढ़ करने तथा उन्हें मूट कोर्ट प्रतियोगिताओं में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं ज्ञानवर्धक शैक्षणिक पहल सिद्ध हुआ।

नगर आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

प्रयागराज। नगर निगम, प्रयागराज, जोन–5 व जोन–8 कार्यालय में कम्प्यूटर आपरेटर के साथ हुई घटना को संज्ञान में प्रथम सूचना दर्ज कराने का आदेश दिया है तथा इसमें लिप्त जोन के कर्मचारियों के विरुद्ध दण्डात्मक कार्यवाही के आदेश भी दिये हैं। इसी प्रकार जोन–5 में हुई घटना के क्रम में कानूनी कार्यवाही के आदेश दिये हैं। जिस भी व्यक्ति द्वारा सरकारी कर्मचारियों के साथ मारपीट की गयी है। सी0सी0टी0वी0 फुटेज देखने के बाद उन्हें चिन्हित करके उनके विरुद्ध एफ0आई0आर0 दर्ज करने के आदेश दिये है। इस सम्बन्ध में डी0सी0पी0 गंगापार व यमुनापार को भी पूरे घटना क्रम के संबंध में अवगत करा दिया गया है। किसी भी व्यक्ति का सरकारी भूमि पर बिना दस्तावेज (साक्ष्य) कर निर्धारण नहीं किया जायेगा। आबादी की भूमि में हुये पूर्व कर निर्धारणों की सूची तैयार कर उप–जिलाधिकारी, करछना, प्रयागराज/नजूल विभाग को सत्यापन हेतु भेजी जायेगी। जिससे की सही तथ्यों की जानकारी होने के बाद कर निर्धारण की कार्यवाही की जा सकेगी। यदि किसी भी पार्षद को कोई समस्या हो तो वह मा0 महापौर महोदय, मा0 नगर आयुक्त महोदय व मुख्य कर निर्धारण अधिकारी को अपने वार्डो के जनता की समस्या में अवगत करा सकते है। किसी भी व्यक्ति को अनुशासन तोड़ने व मार–पीट करने की अनुमति नहीं है।

प्रयागराज। नगर निगम, प्रयागराज, जोन–5 व जोन–8 कार्यालय में कम्प्यूटर आपरेटर के साथ हुई घटना को संज्ञान में लेते हुए नगर निगम कर्मचारी एसोसिएशन, प्रयागराज के द्वारा नगर आयुक्त के समक्ष अपना ज्ञापन सौंपा, साथ ही सभी जोनों के राजस्व निरीक्षकों के द्वारा संयुक्त रूप से मुलाकात की और इस घटना के सम्बन्ध में पीड़ित राजस्व निरीक्षक श्री हर्ष वर्धन कुशवाहा व कम्प्यूटर आपरेटर श्री आशीष पाण्डेय द्वारा पूरे घटनाक्रम की विस्तृत जानकारी दी। नगर आयुक्त महोदय द्वारा पूरे घटनाक्रम को संज्ञान में लेते हुए कर्मचारियों के पक्ष में उनकी यथा–संभव सहायता का आश्वासन दिया। नगर आयुक्त महोदय द्वारा जोन–8 में हुई घटना के क्रम



आरक्षण में उप वर्गीकरण की मांग पर 26 नवंबर को होगा वाल्मीकि

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी के हजरतगंज स्थित गोमती होटल में रविवार को वाल्मीकि महासम्मेलन आयोजन समिति ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर 26 नवंबर को होने वाले महासम्मेलन की जानकारी दी। गोमतीनगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में सुबह 11 बजे से आयोजित सम्मेलन में प्रदेशभर से वाल्मीकि समाज के प्रतिनिधि जुटेंगे। इसमें समाज के अधिकार, आरक्षण में हिस्सेदारी और राजनीतिक प्रतिनिधित्व से जुड़े मुद्दे उठाए जाएंगे। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि पहले महासम्मेलन 20 नवंबर को प्रस्तावित था, लेकिन प्रधानमंत्री के संभावित कार्यक्रम के चलते इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में 20 और 21 नवंबर की बुकिंग निरस्त हो गई। इसके बाद आयोजन की तारीख 26 नवंबर तय की गई। नरेश वाल्मीकि ने बताया कि सम्मेलन में चार प्रमुख मुद्दों पर चर्चा होगी। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुरूप आरक्षण में उप वर्गीकरण लागू करने के लिए प्रदेश सरकार से कानून बनाने की मांग की जाएगी। इसके लिए गठित होने वाली सर्वेक्षण समिति में वाल्मीकि समाज के प्रतिनिधि को शामिल करने की बात भी रखी जाएगी। समिति का कहना है कि इससे समाज की अति पिछड़ी जातियों को शिक्षा और सरकारी नौकरियों में उचित प्रतिनिधित्व मिल सकेगा। समाज ने आगामी विधानसभा चुनाव में प्रदेश की 80 आरक्षित सीटों में से कम से कम 10 सीटों पर वाल्मीकि समाज के प्रत्याशियों को टिकट देने की मांग उठाई है। इसके अलावा स्थानीय निकायों में रिक्त सफाई कर्मचारियों के पदों पर भर्ती और ठेका, संविदा व आउटसोर्सिंग पर काम कर रहे कर्मचारियों को नियमित करने की मांग की जाएगी। समिति ने सीवर और सेप्टिक टैंक की सफाई मशीनों से कराने, हाथ से सफाई पर पूरी तरह रोक लगाने और नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई की मांग की। सफाई के दौरान जान गंवाने वाले कर्मचारियों के परिवारों को एक करोड़ रुपये मुआवजा देने की बात भी रखी जाएगी। वर्षों से सरकारी और नजूल भूमि पर रह रहे वाल्मीकि परिवारों को पट्टा और मालिकाना हक देने की मांग उठेगी।

उद्योग व्यापार मंडल के प्रादेशिक केंद्रीय कार्यालय का उद्घाटन

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी के हजरतगंज स्थित पार्क रोड पर रीजेंसी प्लाजा में रविवार को प्रतिनिधि उद्योग व्यापार मंडल के प्रादेशिक केंद्रीय कार्यालय का उद्घाटन किया गया। इस मौके पर प्रदेश के पूर्वांचल, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, बुंदेलखंड और मध्य यूपी के व्यापारी नेता शामिल हुए। संगठन ने 20 दिसंबर को ऐशबाग के रामलीला मैदान में व्यापारी अधिकार रैली करने की घोषणा भी की। इसमें करीब 25 हजार व्यापारियों के जुटने का दावा किया गया है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनूप शुक्ला ने बताया कि रैली से पहले प्रदेश की करीब 300 विधानसभा क्षेत्रों में व्यापारी प्रतिनिधि संपर्क अभियान चलाएंगे। इसके जरिए व्यापारियों का समर्थन जुटाकर उन्हें लखनऊ पहुंचने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

कथा नूतन कहती है

(छप्पय)

डैने हैं कमजोर निकट मंजिल दिखती है।
साँसों की हर डोर विजय गाथा कहती है।
थके–थके हों पाँव राह पथरीली भारी।
फिर भी मन से शेष जीतने की तैयारी।
रुकते नहीं मुकाम पर चाहे जितनी पीर हो।
मिलते हैं हरि बस उन्हें जिनके मन में धीर हो।।

थकी हुई हर साँस कथा नूतन कहती है।
रग–रग में भर जोश नई ऊर्जा भरती है।
कहता है तूफान डराते सारे पल ही।
पर अंतर का तेज दिखता है संबल ही।
अन्तिम निश्चल साधना व्यर्थ नहीं जाती कभी।
जिसने भी समझा इसे तट दर्शन पाता वही।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

काव्य गोष्ठी का आयोजन

प्रयागराज। ग्राम बहोरिकपुर तहसील सोरांव प्रयागराज में अनिल कुमार श्रीवास्तव द्वारा अपने जन्म दिवस पर एक काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ कवि केशव सक्सेना ने की तथा संचालन अनिलकुमार श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि शिव प्रताप श्रीवास्तव तथा विशिष्ट अतिथि शिवशंकर कुशवाहा रहे। गोष्ठी का प्रारंभ अनिल कुमार श्रीवास्तव के सरस्वती वन्दना से किया गया। तत्पश्चात शिवशंकर कुशवाहा ने काव्य पाठ किया।

किनारे से नदी की थाह लेना
नामुनाशिव है।
बेवजह दिल दुखाये कोई
तेरा नामुनाशिव है।

इसके पश्चात मुख्य अतिथि शिवप्रताप श्रीवास्तव ने काव्य पाठ किया–

है विनम्रता चीज क्या
वृक्ष हमें सिखलाए।
ज्यों ज्यों फल लदने लगे
त्यों त्यों झुकता जाय।

श्री अनिल कुमार श्रीवास्तव ने पढा–

हंस हंस कर मुझे वह लुभाने लगे।
हंसना हंसाना भी एक कला है।

रंजीत कुमार यादव तथा उपस्थित अन्य कवियों द्वारा भी काव्य पाठ किया गया।

अन्त मे अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ कवि केशव सक्सेना ने पढा–

मैं तो अपनी इस जिन्दगी में
दो दुनियां मे रह जीता हूं ।

वरिष्ठ कवि केशव सक्सेना के अध्यक्षीय उदवोधन तथा अनिल कुमार श्रीवास्तव के द्वारा सभी का हार्दिक आभार प्रकट करने के बाद कार्यक्रम का समापन किया गया।

मसूद जैदी वरिष्ठ और अनूप टंडन कनिष्ठ उपाध्यक्ष निर्वाचित

लखनऊ, संवाददाता। गोमती नगर जनकल्याण समिति से संबद्ध परमहंस जनकल्याण समिति, विवेक खंड–3 का चुनाव महासमिति के संविधान के अनुरूप शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। चुनाव अधिकारी देवेश कुमार मिश्रा एडवोकेट ने महासमिति के पर्यवेक्षक संजय निगम की उपस्थिति में चुनाव प्रक्रिया पूरी कराई। इसमें आरडी चौबे को अध्यक्ष, मसूद जैदी को वरिष्ठ उपाध्यक्ष और अनूप कुमार टंडन को कनिष्ठ उपाध्यक्ष चुना गया। सैफ सिद्दीकी को सचिव, जबकि अतुल कुमार टंडन और राहुल कुमार गर्ग को संयुक्त सचिव की जिम्मेदारी मिली। शरद देवड़ा कोषाध्यक्ष चुने गए। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में रविन्द्र नाथ तिवारी, एमबी सिंह, प्रेम प्रकाश दीक्षित और रणविजय सिंह शामिल किए गए।

यूपी चुनाव से पहले बीजेपी का बड़ा दांव

बीपीएल परिवार की महिलाओं के खाते में आएंगे 20 हजार रुपये, दिसंबर से शुरू हो सकती है मदद

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी करने और जीत की हैट्रिक लगाने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने अपनी रणनीति को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। पार्टी अब राज्य की आधी आबादी यानि महिला मतदाताओं को साधने के लिए एक ऐसी नकदी योजना लाने जा रही है, जो अन्य राज्यों में ऐन चुनाव से पहले गेमचेंजर साबित हो चुकी है। इस योजना के तहत चुनावी अधिसूचना जारी होने से पहले ही पात्र महिलाओं को आर्थिक सहायता देने की तैयारी है। प्रदेश के बीपीएल श्रेणी में आने वाले 3.64 करोड़ परिवारों में से प्रत्येक परिवार की एक महिला को 20 हजार रुपये की नकद मदद दी जाएगी। यह धनराशि दो बराबर किस्तों में 10–10 हजार रुपये करके सीधे उनके बैंक खातों में भेजी जाएगी। महिलाओं को अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने या स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु कई मॉडलों पर मंथन के बाद इस प्रस्ताव पर सहमति बनी है।सरकार का लक्ष्य है कि दिसंबर में ही महिलाओं को यह आर्थिक सहायता उपलब्ध करा दी जाए। बीपीएल श्रेणी से जुड़ी महिलाओं के जनधन बैंक खातों का युद्ध स्तर पर सत्यापन किया जा रहा है। राज्य में मौजूद 3.64 करोड़ बीपीएल परिवारों से जुड़े जनधन खातों के सत्यापन का कार्य करीब 80 प्रतिशत तक पूरा भी कर लिया गया है, ताकि पैसा ट्रांसफर करने में कोई तकनीकी बाधा न आए।

कांग्रेस और समाजवादी कभी गरीबों का भला नहीं कर सकते- केशव

लखनऊ, संवाददाता। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी गरीबों की दुश्मन हैं। ये पिछड़ों और दलितों की विरोधी हैं तथा इन दलों से गरीबों के कल्याण की उम्मीद नहीं की जा सकती। इनका इतिहास गरीबों, वंचितों और शोषितों को केवल वोट बैंक समझने का रहा है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने गरीबों को सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता प्रदान करने का काम किया है।श्री मौर्य ने कहा कि जब जय श्रीराम का उद्घोष होता है तो सपा प्रमुख घबराते हैं और अब राधे–राधे के उद्घोष से भी उन्हें परेशानी होने लगी है। राधे–राधे केवल नारा नहीं, बल्कि श्रद्धा, भक्ति और सनातन संस्कृति की भावना प्रकट करने का माध्यम है। हमने जब कहा कि श्राधे–राधे कमल खिला देश तो समाजवादी पार्टी को अपनी पंचर साइकिल दिखाई नहीं दे रही, बल्कि उसे कमल मुरझाया हुआ दिखाई दे रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में सरकार बनने के बाद 50 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं।

सम्पादकीय.....

अश्लीलता की लीला

इसमें दो राय नहीं कि सोशल मीडिया समाज में सहज–सरल संवाद व मुखर अभिव्यक्ति का माध्यम बना है। लेकिन इसमें संपादक नामक संस्था न होने के कारण यह माध्यम धीरे–धीरे अराजक सामग्री, हिंसक अभिव्यक्ति और अश्लीलता का प्रसारक व पोषक बनता जा रहा है। दरअसल, इन कंपनियों का प्रारूप कुछ इस तरह बनाया गया है कि सामाजिक मर्यादाओं का अतिक्रमण करने वाली और बच्चों के मन–मस्तिष्क पर बुरा असर डालने वाली सामग्री दर्शकों का ध्यान ज्यादा खींचती है। कुछ समय पहले सोशल मीडिया माध्यमों पर बच्चों के यौन–शोषण से जुड़ी सामग्री के विज्ञापनों के प्रसारण को लेकर सरकार ने सख्त रवैया अपनाया था। बाकायदा मेटा को इस बाबत नोटिस भी दिया गया था। तब भी इन कंपनियों की जवाबदेही और निगरानी व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगे थे। विडंबना ही है कि हिंसक, अश्लील व सनसनी फैलाने वाली सामग्री को दर्शकों की ज्यादा प्रतिक्रिया मिलती है, जो इन कंपनियों के अर्थशास्त्र का आधार भी है। विडंबना यह भी है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों का एल्गोरिद्म उपयोगकर्ताओं की अभिरुचि और प्रतिक्रिया के चलते ऐसी सामग्री का अधिक प्रसार करने लगता है। अब सरकार की प्रतिक्रिया व कुछ प्रबुद्ध लोगों के प्रतिरोध के बाद इंस्टाग्राम ने अपने कंटेंट रिकमेंडेशन सिस्टम में बदलाव लाने की बात कही है। इसके अंतर्गत दावा किया जा रहा है कि एआई की मदद से अश्लील व हिंसक सामग्री की संस्तुति को उपयोगकर्ताओं तक पहुंचने से पहले ही हटाने का प्रयास किया जाएगा। लेकिन सवाल यह है कि क्या ऐसी सामग्री को बढ़ावा देने में कंपनी की कोई भूमिका होती है? यदि नहीं, तो इसे कौन बढ़ावा देता है? सवाल यह भी है कि प्लेटफॉर्म पर सामग्री की निगरानी करने वाला एल्गोरिद्म भारतीय परिवेश में वर्जित सामग्री को लेकर अपेक्षित संवेदनशीलता दिखा पाएगा? बहुत संभव है कि सोशल मीडिया पर सूचनाओं व कार्यक्रमों का स्वरूप निध ारित करने में पश्चिमी समाज का दृष्टिकोण प्रभावी होता हो। तो क्या एआई आधारित निगरानी व्यवस्था समस्या का संपूर्ण समाधान दे पाएगी? वास्तव में इस बात की संभावना कम ही नजर आती है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित फिल्टरिंग व्यवस्था सोशल मीडिया पर अश्लील व आपत्तिजनक सामग्री पर पूरी तरह नियंत्रण लगा सकेगी। मशीन मानवीय अहसासों को पूरी तरह नहीं समझ सकती। इसलिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ मानवीय निगरानी और शिकायतों के शीघ्र निस्तारण का तंत्र भी बने। अब तो जो पश्चिमी देश कल तक सोशल मीडिया का गुणगान करते नहीं अघाते थे, वे भी इससे बच्चों में पनपती विकृतियों की हकीकत समझने लगे हैं। ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, स्कॉटलैंड आदि देशों ने एक निध ारित उम्र के किशोरों की सोशल मीडिया तक पहुंच पर रोक लगाई है। न्यू मेक्सिको में एक जूरी ने मेटा को इस बात के लिए जवाबदेह ठहराया कि उसके प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध वयस्क सामग्री तक बच्चों की पहुंच बनी हुई है, जिससे उनके जीवन में यौन अपराधियों से खतरा बढ़ गया है। लेकिन भारत जैसे देशों में सोशल मीडिया के बच्चों के जीवन पर घातक प्रभावों के बावजूद नियामक कानून न होने से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पाती है। मांग की जा रही है कि एक निर्धारित आयु से अधिक उम्र के बच्चे ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म तक पहुंच बना सकें। विडंबना यह भी है कि बच्चों को संस्कार अब माता–पिता व शिक्षक नहीं, बल्कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों का दोहन करने वाले स्वार्थी तत्व दे रहे हैं, जो भारतीय जीवन–मूल्यों व संस्कारों से मेल नहीं खाते। आज सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्मों पर इतनी अश्लील व द्विअर्थी सामग्री का प्रवाह है कि हमारे किशोर आपराधिक प्रवृत्तियों की ओर उन्मुख हो रहे हैं। सोशल मीडिया के नकारात्मक प्रभावों के चलते आज बच्चों के नायक व आदर्श बदल गए हैं। उनका नजरिया बदल रहा है। अश्लील सामग्री की उपलब्धता ने ब्रह्मचर्य के भारतीय दर्शन को ताक पर रख दिया है। इसका प्रभाव बच्चों के शैक्षिक प्रदर्शन व एकाग्रता पर भी पड़ेगा। दुखद है कि बच्चे इंटरनेट पर उपलब्ध अश्लील सामग्री से अपरिपक्व उम्र में रूबरू हो रहे हैं। फलतः अल्पवयस्कों में यौन अपराधों की वृद्धि घातक स्तर तक पहुंच रही है। इस प्रवृत्ति पर नियंत्रण के लिए घर और स्कूल में बच्चों को सोशल मीडिया के स्याह पहलुओं से अवगत कराना जरूरी है।

सोलह संस्कारों से सनातन संस्कृति का पुनर्जीवन संभव



डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय

प्रयागराज संगम घाट पर हमें एक दिन एक युवक मिला। उसने जींस पहनी थी, हाथ में मोबाइल था, कानों में ईयरफोन था। मैंने पूछा – ष्बेटा, तुम्हें सोलह संस्कारों के नाम पता हैं?ष उसने हँसकर कहा – ष्दादा , ये संस्कार क्या होता है? मुझे तो बस बर्थडे, वैलेंटाइन डे, फ्रेंडशिप डे पता है।ष

मेरा मन रो पड़ा। जिस प्रयागराज में ब्रह्मा जी ने पहले–पहल यज्ञ किया और यहां विभिन्न गुरुकुलों में कभी वेदों की ध्वनि गूँजती थी, उसी पवित्र भूमि पर आज यह सुनने को मिल रहा है । आज का युवा संस्कार शब्द से ही अनजान है। यह केवल एक युवक की कहानी नहीं है, यह पूरी नई पीढ़ी की कहानी है।

आज हमारी नई पीढ़ी अनजाने में या जानबूझकर पाश्चात्य संस्कृति को बढ़ावा दे रही है। इसमें दोष केवल युवाओं का नहीं है। दोष हमारा भी है, समाज का भी है, शिक्षा व्यवस्था का भी है। हमने बच्चों को अंग्रेजी सिखाई, पर संस्कार नहीं सिखाए। हमने उन्हें पिज्जा–बर्गर खिलाया, पर खीर–पूड़ी का महत्व नहीं बताया। हमने उन्हें हैप्पी बर्थडे सिखाया, पर जन्मदिन पर दीप जलाना, तिलक लगाना भूल गए।

परिणाम यह हुआ कि हम अपनी मूल संस्कृति को भूलते जा रहे हैं। हम अपने सनातन संस्कार भूलते जा रहे हैं। यदि हमने अभी भी अपनी सनातन संस्कृति को पुनः पुनर्जीवित करने का प्रयास नहीं किया, तो आने वाली पीढ़ी के पास न अपनी भाषा होगी, न अपनी संस्कृति, न अपने संस्कार।

पाश्चात्य संस्कृति बुरी नहीं है। विज्ञान, तकनीक, अनुशासन, समय की पाबंदी – ये सब पाश्चात्य संस्कृति से सीखने योग्य हैं। पर समस्या तब आती है, जब हम अपनी जड़ों को काटकर दूसरों की डालियों को पकड़ लेते हैं।

आज के युवा के जीवन में देखिए भाषा में परिवर्तन किस तरह हुआ है ।आज बच्चा हिन्दी में बात करने में शर्म महसूस करता है, अंग्रेजी में बात करने में गर्व। शहर तो छोड़ दीजिए अब तो गांव का बच्चा भी घर में ष्ममम्मी–पापाष कहता है, ष्माँ–बाबूजीष नहीं कहता। माँ को ष्मॉमष कहने में आधुनिकता लगती है, ष्मैय्याष कहने में पिछड़ापन। भाषा ही संस्कृति की आत्मा है। भाषा गई तो संस्कृति गई। इसी प्रकार भोजन में परिवर्तन किया गया है । आज थाली की जगह टेबल है, दाल–रोटी की जगह पिज्जा–बर्गर है। पहले भोजन से पहले भगवान को भोग लगता था, आज भोजन से पहले फोटो खिंचती है, इंस्टाग्राम पर डलती है। अन्न को देवता मानना भूल गए, अन्न को फैशन बना दिया।

हमारी वेशभूषा में भी बहुत परिवर्तन हो गया है ।साड़ी–धोती, कुर्ता–पाजामा अब केवल त्योहारों पर दिखता है। रोज का पहनावा पाश्चात्य हो गया है। वेशभूषा केवल कपड़ा नहीं है, वह संस्कार है। साड़ी में जो मर्यादा है, वह किसी और वस्त्र में नहीं है।

आज हमारी संस्कृति के लगभग सभी त्योहारों में परिवर्तन देखने को मिलता है

दीपावली पर दीप जलाने से अधिक पटाखे फोड़ने में रुचि है। होली पर गुलाल लगाने से अधिक शराब पीने में रुचि है। रक्षाबंधन पर बहन के हाथ की राखी से अधिक गिफ्ट में रुचि है। त्योहारों का अर्थ ही बदल गया है। शायद यही कारण है कि आज हमारे पारिवारिक रिश्तों में परिवर्तन प्रत्यक्ष देखने को मिलता है । पहले संयुक्त परिवार था, दादा–दादी, चाचा–चाची सब साथ रहते थे। आज एकल परिवार है, पति–पत्नी और एक बच्ची या एक बच्चा । दादा–दादी वृद्धाश्रम में हैं। बच्चा आया के पास पलता है, संस्कार कहाँ से आएँगे? पहले विवाह संस्कार था, सात फेरों का बंधन था। आज विवाह इवेंट हो गया है, पार्टी हो गई है। लिव–इन रिलेशनशिप को आधुनिकता कहा जा रहा है। विवाह को बंधन कहा जा रहा है।

यही पाश्चात्य प्रभाव है। अनजाने में हम अपनी जड़ों को काट रहे हैं।

हमारी सनातन संस्कृति में मनुष्य के जीवन को पवित्र बनाने के लिए सोलह संस्कार बताए गए हैं। गर्भ से लेकर मृत्यु तक, हर पड़ाव पर एक संस्कार है।

'1. गर्भाधान –' संतान की उत्पत्ति के लिए पवित्र संकल्प।

'2. पुंसवन –' गर्भस्थ शिशु की रक्षा और बुद्धि के लिए।

'3. सीमन्तोन्नयन –' गर्भवती माँ का गोद भराई, प्रसन्नता के लिए।

'4. जातकर्म –' जन्म के समय शहद–घी चटाना, राम नाम सुनाना।

'5. नामकरण –' बच्चे का सार्थक नाम रखना।

'6. निष्क्रमण –' बच्चे को पहली बार घर से बाहर, मंदिर, सूर्य दर्शन कराना।

'7. अन्नप्राशन –' पहली बार अन्न चखाना, अन्न का सम्मान सिखाना।

'8. चूड़ाकर्म –' मुंडन, काशी के घाट पर बाल चढ़ाना, पवित्रता के लिए।

'9. कर्णवेध –' कान छेदना, सत्य सुनने का संस्कार।

'10. विद्यारंभ –' अ, आ से विद्या की शुरुआत, गुरु को प्रणाम।

'11. उपनयन –' जनेऊ, गायत्री मंत्र, ब्रह्मचर्य का संकल्प।

'12. वेदारंभ –' वेदों का अध्ययन, ज्ञान की प्राप्ति।

'13. समावर्तन –' गुरु के घर से विद्या पूरी करके लौटना, गृहस्थ में प्रवेश।

'14. विवाह –' सात फेरों में दो परिवारों का मिलन, गृहस्थ धर्म।

'15. वानप्रस्थ –' गृहस्थी बच्चों को सौंपकर प्रभु भजन में लगना।

'16. अन्त्येष्टि –' मृत्यु के बाद गंगा में अस्थि विसर्जन, मोक्ष की कामना।

ये सोलह संस्कार केवल कर्मकांड नहीं हैं, ये जीवन का विज्ञान हैं।

गर्भाधान से लेकर अन्त्येष्टि तक – हर संस्कार मनुष्य को पशु से मानव, मानव से देवता बनाता है।

आखिर हम लोग अपने संस्कार क्यों भूल रहे हैं? शिक्षा में संस्कार नहीं दिया जा रहा है । आज के स्कूल में अंग्रेजी, गणित, विज्ञान पढ़ाया जाता है, पर संस्कार नहीं पढ़ाया जाता। बच्चा कंप्यूटर सीख जाता है, पर माता–पिता को प्रणाम करना नहीं सीखता। माता–पिता के पास समय नहीं है । माँ मोबाइल में व्यस्त है, पिता ऑफिस में। बच्चा संस्कार कहाँ से सीखेगा? संस्कार किताब से नहीं, आचरण से आते हैं। माता–पिता ही नहीं सिखाएँगे, तो कौन सिखाएगा?

पाश्चात्य मीडिया का प्रभाव इतना गहरा होता जा रहा है कि टीवी, फिल्म, सोशल मीडिया में पाश्चात्य जीवन को ही आदर्श दिखाया जाता है। भारतीय संस्कृ ति को पिछड़ा दिखाया जाता है। बच्चा वही देखता है, वही सीखता है।

भारतीय संस्कृति के मूल संस्कारों को अंधविश्वास समझा जा रहा है । आज पढ़े–लिखे लोग संस्कारों को अंधविश्वास कहते हैं। मुंडन को फालतू कहते हैं, जनेऊ को बोझ कहते हैं, विवाह के फेरों को दिखावा कहते हैं। हमने संस्कारों के पीछे का विज्ञान समझना ही बंद कर दिया। संस्कार में समय लगता है, श्रद्धा लगती है। बर्थडे में केक काटना आसान है, नामकरण में हवन करना कठिन लगता है। हम आसान को चुन रहे हैं, कठिन को छोड़ रहे हैं ।

संस्कार केवल धर्म नहीं, विज्ञान भी हैं। गर्भाधान और पुंसवन में माँ के मन को प्रसन्न रखने का निर्देश है। आज विज्ञान भी कहता है – गर्भ में बच्चा माँ के भावों को ग्रहण करता है। अन्नप्राशन में पहली बार अन्न चखाया जाता है। आज डॉक्टर भी कहते हैं – 6 महीने के बाद ही बच्चे को अन्न देना चाहिए। हमारे ऋषियों ने हजारों साल पहले यही कह दिया था।

कर्णवेध में कान छेदा जाता है। आज विज्ञान कहता है – कान के इस बिंदु को छेदने से मस्तिष्क सक्रिय होता है, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

उपनयन में जनेऊ पहनाया जाता है। जनेऊ हृदय के पास रहता है, वह हृदय को अनुशासन में रखता है। गायत्री मंत्र जपने से बुद्धि तेज होती है, यह विज्ञान भी मानता है।

विवाह में सात फेरे हैं। सात फेरे केवल घूमना नहीं है, सात वचन हैं – अन्न, बल, धन, सुख, संतान, ऋतु, मित्रता। यही गृहस्थ का विज्ञान है।

अन्त्येष्टि में गंगा में अस्थि विसर्जन है। गंगा का जल शुद्ध है, उसमें अस्थि विसर्जन से पर्यावरण शुद्ध रहता है, आत्मा को शांति मिलती है।

इसलिए संस्कारों को अंधविश्वास कहना अज्ञानता है। संस्कारों में विज्ञान छिपा है, उसे समझना होगा।

हमारे सामने एक यक्ष प्रश्न यह भी है कि हम अपनी सनातन संस्कृति को पुनर्जीवित कैसे करें?

संस्कार की शुरुआत घर से होती है। रोज सुबह बच्चे को ष्राम–रामष कहना सिखाइए। भोजन से पहले भगवान को भोग लगाना सिखाइए। बड़ों को प्रणाम करना सिखाइए। यही छोटा–छोटा संस्कार बड़ा बनता है। घर में मातृभाषा बोलिए। बच्चे को ष्माँष कहिए, ष्मॉमष नहीं। ष्पिताष कहिए, ष्डैडष नहीं। भाषा बचेगी तो संस्कृति बचेगी।

जब प्रत्येक घर की माँ अपनी बेटी को ष्बिटियाष कहती है, तो उसमें जो ममता है, वह ष्बेबीष में नहीं है।

अपने सभी त्योहारों को संस्कार से मनाएँ । दीपावली पर दीप जलाइए, पटाखे नहीं। होली पर गुलाल लगाइए, शराब नहीं। रक्षाबंधन पर बहन के हाथ की राखी बाँधिए, गिफ्ट नहीं। जन्मदिन पर दीप जलाइए, तिलक लगाइए, केक काटने के साथ–साथ आरती भी कीजिए। सोलह संस्कारों को पुनः अपनाएँ और नामकरण को बर्थडे से बड़ा मानें । मुंडन को गंगा यमुना के घाट पर कीजिए। विद्यारंभ को सरस्वती पूजा से कीजिए। उपनयन को गायत्री मंत्र से कीजिए। विवाह को सात फेरों से कीजिए, इवेंट से नहीं।

सभी विद्यालयों में सप्ताह में एक दिन संस्कार शिक्षा हो। रामायण, महाभारत, गीता की कहानियाँ सुनाई जाएँ। गुरु को प्रणाम करना सिखाया जाए।

सोशल मीडिया का सदुपयोग करना चाहिए इसका दुरुपयोग नहीं होना चाहिए । सोशल मीडिया पर पाश्चात्य गीत नहीं, संस्कार गीत डालिए। रील में डांस नहीं, रामायण की चौपाई डालिए। बच्चों को संस्कार गीत सिखाइए । दादा–दादी ही संस्कारों के सच्चे गुरु हैं। उन्हें वृद्धाश्रम से घर लाइए। उनकी गोद में बच्चा पलेगा, तो संस्कार अपने आप आ जाएँगे। भारतीय संस्कृति कभी नहीं मरी, क्योंकि इसने अपने संस्कार नहीं छोड़े। पवित्र नदी के किनारे आज भी सुबह शाम आरती होती है, आज भी वेद पाठ होता है, आज भी अन्नदान होता है। हमने पाश्चात्य संस्कृति को अपनाया, पर अपनी जड़ों को नहीं छोड़ा। भारत आज भी संस्कारों की भूमि है। यहाँ आज भी माँ बच्चे को ष्बिटियाष कहती है, आज भी दादी लोरी गाती है, आज भी खेत में काम करने से पहले किसान धरती को प्रणाम करता है।यदि हम संस्कार बचा सकते हैं, तो पूरा भारत बचा सकते हैं।

हमारी भारतीय संस्कृति वृक्ष की तरह है। जड़ कट जाएगी, तो वृक्ष सूख जाएगा। पाश्चात्य संस्कृति की डालियाँ सुंदर लगती हैं, पर उनमें हमारी जड़ों का रस नहीं है। हमें डालियाँ काटनी नहीं हैं, जड़ों को सींचना है।

सोलह संस्कार हमारी जड़ें हैं। इन्हें पुनर्जीवित करना हमारा धर्म है। यह काम सरकार का नहीं, हम सबका है। हर माँ का, हर पिता का, हर शिक्षक का, हर युवा का। आइए हम लोग संकल्प लें कि

ष्हम अपनी भाषा नहीं भूलेंगे, अपने संस्कार नहीं भूलेंगे, अपने सोलह संस्कारों को पुनः जीवित करेंगे। हम पाश्चात्य संस्कृति से विज्ञान लेंगे, पर संस्कार अपनी सनातन संस्कृति से लेंगे। हम अपने बच्चों को बर्थडे के साथ–साथ नामकरण भी सिखाएँगे, वैलेंटाइन डे के साथ–साथ रक्षाबंधन भी सिखाएँगे।

यही सनातन संस्कृति की पुनर्जीवित ज्योति है।

निवास– 'पत्रकार भवन'
गंधियांव करछना प्रयागराज
उ० प्र० पिनकोड 212301
मोबाइल 9935 205341
अथवा 8299 280 381

बारहनाजा कई मायनों में उपयोगी

उत्तराखंड के टिहरी गढ़वाल के जड़धार गांव के एक किसान हैं विजय जड़धारी, जो एक जमाने में चिपको आंदोलन के कार्यकर्ता रह चुके है। उन्होंने 80 के दशक में देसी बीज बचाने के लिए बीज बचाओ आंदोलन की शुरूआत की थी। जो पारंपरिक देसी बीज, हरित क्रांति के संकर बीज आने के बाद लुप्त हो रहे थे, उन्हें न केवल दूर–दूर गांवों में जाकर में तलाश किया, संग्रहीत किया, बल्कि खुद खेतों में उगाया, उनकी खेती की। आज के स्तंभ में इसी कहानी को बताना चाहूंगा। बारहनाजा का शाब्दिक अर्थ बारह अनाज है, पर इसके अंतर्गत बारह अनाज ही नहीं, बल्कि दलहन, तिलहन, शाक–भाजी, मसाले व रेशा शामिल हैं। इसमें 20–22 प्रकार के अनाज होते हैं। इन अनाजों में कोदा (मंडुवा), मारसा (रामदाना), ओगल (कुट्टू), जोन्याला (ज्वार), मक्का, राजमा, गहथ (कुलथ), भट्ट (पारंपरिक सोयाबीन), रैयास (नौरंगी), उड़द, सुंटा, रगड़वांस, तोर, मूंग, भगंजीर, तिल, जख्या, सण (सन), काखड़ी इत्यादि। विजय जड़ध ारी बताते हैं कि मंडुवा बारहनाजा परिवार का मुखिया कहलाता है। असिंचित व कम पानी में यह अच्छा होता है। पहले मडुंवा की रोटी ही लोग खाते थे, जब गेहूं नहीं था। पोषण की दृष्टि से यह भी बहुत पौष्टिक है। जड़धारी जी बताते हैं कि शुरूआत में हमें देसी बीज ढूंढने में दिक्कतें आईं। दूर–दूर के गांवों में जाकर देसी बीज एकत्र किए। चूंकि खेती का अधिकांश काम महिलाएं करती हैं, इसलिए उन्हें इस काम से जोड़ा। इस पूरे आंदोलन में महिलाओं को प्राथमिकता दी। वे आगे बताते हैं कि बारहनाजा मिश्रित फसल पद्धति है, जिसमें खरीफ की फसलें होती हैं। इस पद्धति में मिट्टी के साथ रिश्ता है। इस पद्धति में मिट्टी की सेवा भी होती है। मंडुवा, रामदाना, कुट्टू मिट्टी से ज्यादा ताकत लेते हैं। इसलिए दलहन की फसलें लगाई जाती हैं। यह मिट्टी को उपजाऊ बनाने का काम करती हैं। दालों से नत्रजन मिलता है। यह सब किसानों ने अपने अनुभव से सीखा है। इसकी फसलें अलग–अलग होते हुए भी एक दूसरे की सहायक हैं। रामदाना, मंडुवा, ज्वार ऊपर की तरफ ऊंची बढ़ती हैं। बेलवाली दालें उससे लिपट जाती हैं। एक दूसरे को सहारा देती हैं। नियंत्रित करती हैं और उन्हें बढ़ाने में सहायक होती हैं। जड़धारी बताते हैं कि बारहनाजा की फसलें मई–जून में बोई जाती हैं और सितंबर–अक्टूबर में उनकी कटाई हो जाती है। इससे समय–समय पर लोगों को काम भी मिलता है। 4 महीने खेत खाली रहते हैं।

यानी इस बीच खेतों की छुट्टी होती है, इससे खरपतवार का नियंत्रण होती है, मिट्टी फिर से उपजाऊ बनती है, यह जांचा परखा तरीका है। वे कहते हैं अब हमारे भोजन से विविधता गायब है। चावल और गेहूं में ही भोजन सिमट गया है।

भारत जापान की नई रणनीतिक धूरी से बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा

ललित गर्ग

19 नवंबर 2026 को टोक्यो में हुई चौथी भारत–जापान 2+2 विदेश एवं रक्षा मंत्रिस्तरीय वार्ता केवल दो देशों के बीच एक कूटनीतिक बैठक नहीं थी, बल्कि बदलती विश्व–व्यवस्था में भारत की बढ़ती भूमिका का सशक्त संकेत थी। भारत की ओर से रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर तथा जापान की ओर से विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी और रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने जिस व्यापक रणनीतिक दृष्टि के साथ संवाद किया, उसने भारत–जापान संबंधों को सुरक्षा, तकनीक, समुद्री सहयोग, आर्थिक सुरक्षा और वैश्विक शासन के नए आयामों से जोड़ा है। इस वार्ता का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यह है कि भारत अब केवल वैश्विक शक्ति–संतुलन का दर्शक नहीं, बल्कि उसे आकार देने वाली शक्ति बन रहा है। जापान के साथ बढ़ता सहयोग इसी परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। दोनों देशों ने स्वतंत्र, खुले, समावेशी और नियम–आधारित हिंद–प्रशांत की प्रतिबद्धता दोहराई तथा समुद्री और वायु क्षेत्र की निगरानी, सूचना–साझेदारी, खोज एवं बचाव, साइबर सुरक्षा, एआई तथा रक्षा उद्योग में सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। भारत में जापानी आत्मरक्षा बलों द्वारा फायरिंग रेंज के उपयोग की दिशा में समझौता और 'डिजाइन विद जापान, मेक इन इंडिया' के तहत रक्षा औद्योगिक सहयोग को आगे बढ़ाने की सहमति इस साझेदारी को घोषणाओं से निकालकर व्यावहारिक धरातल पर ले जाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। यहां रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत की रक्षा नीति अब केवल हथियार खरीदने तक सीमित नहीं है, उसका लक्ष्य देश को रक्षा उत्पादन, तकनीक, अनुसंधान और निर्यात की दृष्टि से सक्षम बनाना है। हाल ही में रक्षा मंत्री ने बताया कि भारत का रक्षा उत्पादन 1.80 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच चुका है और रक्षा निर्यात 38,000 करोड़ रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंचा है। जापान के साथ रक्षा–तकनीक और औद्योगिक सहयोग इस आत्मनिर्भरता को अंतरराष्ट्रीय तकनीकी साझेदारी से जोड़ सकता है। दूसरी ओर डॉ. एस. जयशंकर भारत की उस विदेश नीति के प्रमुख सूत्रधारों में हैं जिसने भारत को 'किसी एक खेमे' की शक्ति के बजाय अपने हितों और सिद्धांतों के आधार पर विश्व के विभिन्न शक्ति–केंद्रों के साथ संवाद करने वाली प्रभावशाली शक्ति बनाया है। जापान के साथ रणनीतिक विश्वास, क्वाड जैसे मंचों पर सहयोग, हिंद–प्रशांत की स्थिरता और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सुधार के लिए पारस्परिक समर्थन इसी व्यापक कूटनीतिक दृष्टि के हिस्से हैं। दोनों देशों ने एक–दूसरे की स्थायी सदस्यता की दावेदारी का समर्थन भी दोहराया है। लेकिन इस पूरी तस्वीर को समझने के लिए इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यापक विदेश नीति और 'विकसित भारत' के संकल्प से जोड़कर देखना आवश्यक है। प्रधानमंत्री की विदेश नीति में सुरक्षा और अर्थव्यवस्था अलग–अलग विषय नहीं हैं। आज भारत जिस देश से रक्षा तकनीक लेता है, उसके साथ व्यापार बढ़ाता है। जहां निवेश आकर्षित करता है, वहां भारतीय उद्योग के लिए बाजार भी खोजता है और जहां रणनीतिक सहयोग करता है, वहां भारतीय प्रतिभा, तकनीक और संस्कृति की प्रतिष्ठा भी स्थापित करता है। यही विदेश नीति को आर्थिक शक्ति और राष्ट्रीय प्रतिष्ठा से जोड़ने की नई भारतीय शैली है। 19 नवंबर को ही नई दिल्ली में फिक्की के शताब्दी समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने उद्योग जगत के सामने इसी दृष्टि को अत्यंत स्पष्टता से रखा। फिक्की का सम्मेलन 'भारत 2047' की थीम पर हुआ और इसमें उद्योग जगत, राजनयिकों, नीति–निर्माताओं और वैश्विक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रधानमंत्री ने उद्योग से कहा कि अगले 20 वर्षों के प्रत्येक दीर्घकालिक निवेश निर्णय का आधार 'इंडिया फर्स्ट' होना चाहिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भारत का विशाल घरेलू बाजार उद्योग का 'कम्फर्ट जोन' नहीं बनना चाहिए, बल्कि वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धा का आत्मविश्वास पैदा करने वाला आधार बनना चाहिए। यहीं टोक्यो की 2+2 बैठक और फिक्की के मंच का अद्भुत संबंध दिखाई देता है। एक ओर राजनाथ सिंह और जयशंकर भारत की सुरक्षा और कूटनीतिक शक्ति को विश्व में विस्तार दे रहे हैं, दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी भारतीय उद्योग को विश्व बाजार में उतरने का आह्वान कर रहे हैं। अर्थात् भारत की विदेश नीति का अगला चरण केवल 'भारत के लिए दुनिया' नहीं, बल्कि 'दुनिया के लिए भारत' बनाने का चरण है। प्रधानमंत्री का संदेश केवल उद्योगपतियों के लिए नहीं है। विकसित भारत का निर्माण सरकार अकेले नहीं कर सकती। सरकार दिशा और वातावरण तैयार कर सकती है, लेकिन आर्थिक शक्ति उद्योग पैदा करता है, नवाचार युवा पैदा करते हैं, उत्कृष्टता वैज्ञानिक और पेशेवर पैदा करते हैं तथा भारत की प्रतिष्ठा सामान्य नागरिक के व्यवहार से भी बनती है। इसलिए आज आवश्यकता है कि भारतीय उद्योगपति केवल भारत में सफल होने की मानसिकता से आगे बढ़कर विश्व बाजारों में भारतीय ब्रांड की पहचान स्थापित करें। प्रधानमंत्री ने फिक्की में वैश्विक ग्राहकों की जरूरतों को समझने, स्थानीय बाजारों के अनुरूप उत्पाद बनाने, वैश्विक मानकों को अपनाने और मजबूत वितरण नेटवर्क विकसित करने पर विशेष जोर दिया। यह संदेश भारतीय उद्योग के लिए आर्थिक नीति से अधिक राष्ट्रीय दायित्व का संदेश है। इसी प्रकार प्रत्येक नागरिक का योगदान भी महत्वपूर्ण है। एक भारतीय जब ईमानदारी से अपना कार्य करता है, कानून का सम्मान करता है, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करता है, स्वच्छता और अनुशासन अपनाता है, भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने में योगदान देता है और दुनिया के सामने भारत की सकारात्मक छवि प्रस्तुत करता है, तब वह अनजाने में भारत की 'सॉफ्ट पावर' को मजबूत करता है। विश्वगुरु बनने का अर्थ केवल उपदेश देना नहीं, बल्कि दुनिया को अपने आचरण, ज्ञान, तकनीक, अर्थव्यवस्था, संस्कृति और मानवीय मूल्यों से प्रभावित करना है। भारत–जापान संबंध इस यात्रा का उत्कृष्ट उदाहरण हैं। जापान तकनीक, पूंजी, गुणवत्ता, अनुशासन और विनिर्माण संस्कृति का प्रतीक है, भारत विशाल बाजार, युवा मानव संसाधन, डिजिटल क्षमता, प्रतिभा और नवाचार की शक्ति रखता है। दोनों की क्षमताएं एक–दूसरे की पूरक हैं। रक्षा उद्योग से लेकर सेमीकंडक्टर, महत्वपूर्ण खनिज, स्वच्छ ऊर्जा, डिजिटल कनेक्टिविटी, साइबर सुरक्षा और एआई तक सहयोग के नए क्षेत्र दोनों देशों को आर्थिक और रणनीतिक रूप से अधिक मजबूत कर सकते हैं। वर्ष 2027 इस साझेदारी के लिए विशेष महत्व रखता है। भारत–जापान राजनयिक संबंधों की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होंगे और दोनों देशों ने इसे 'इंडिया–जापान ईयर ऑफ शेयर्ड हार्जिन्स' के रूप में मनाने का निर्णय किया है। यह केवल स्मृतियों का उत्सव नहीं होना चाहिए, बल्कि साझा भविष्य की नई पटकथा लिखने का अवसर होना चाहिए। भारत के सामने आज एक ऐतिहासिक अवसर है। प्रधानमंत्री मोदी का 'विकसित भारत 2047' केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संकल्प है। स्वयं प्रधानमंत्री ने फिक्की में कहा कि विकसित भारत कोई नारा नहीं, बल्कि सभी भारतीयों द्वारा जीया जाने वाला संकल्प है।

हमारा दिल खुशी से भरा है... शादी के बाद अनिरुद्ध-काव्या ने फैंस के लिए लिखा दिल छू लेने वाला नोट





संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर और उनकी पत्नी काव्या ने अपने जीवन के इस नए सफर की शुरुआत पर, प्रशंसकों और शुभचिंतकों द्वारा दिए गए प्यार और आशीर्वाद के लिए आभार व्यक्त किया है। इस जोड़े ने इंस्टाग्राम पर एक दिल छू लेने वाला नोट साझा किया, जिसमें उन्होंने कहा कि लोगों की शुभकामनाओं ने उनकी इस नई शुरुआत को और भी खास बना दिया है। अनिरुद्ध ने कैप्शन में लिखा, हमारा दिल खुशी से भरा हुआ है। आपका प्यार और आशीर्वाद हमारे लिए बहुत मायने रखता है, जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। इस नई शुरुआत को और भी खास बनाने के लिए आप सभी का धन्यवाद। हम आपके दिए गए सारे प्यार को अपने साथ लेकर आगे बढ़ रहे हैं–काव्या और अनिरुद्ध। बता दें कि अनिरुद्ध और काव्या मारन–जो सन ग्रुप के चेयरमैन कलानिधि मारन की बेटी हैं और आईपीएल फ्रेंचाइजी सनराइजर्स हैदराबाद की मालकिन भी हैं–ग्रीस में शादी करने के बाद शनिवार को चेन्नई लौट आए हैं। उनकी शादी इस साल 11 नवंबर को हुई थी। ग्रीस में दो दिनों तक चली इस शादी ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा, क्योंकि इसमें शामिल होने वाले खास मेहमानों को विशेष रूप से वहां ले जाया गया था। शादी के तुरंत बाद सोशल मीडिया पर अपनी शादी की तस्वीरें साझा करते हुए अनिरुद्ध ने लिखा था, जीवन में एक बार होने वाला, जीवन भर के लिए – 11.11। इस शादी में तमिल फिल्मों के सुपरस्टार रजनीकांत, केंद्रीय मंत्री दयानिधि मारन और तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन समेत कई हस्तियां मौजूद थीं। संगीत निर्देशक की शादी की खबर की आधिकारिक पुष्टि सबसे पहले तेलंगाना के मुख्यमंत्री कार्यालय ने की। उन्होंने अपने एक्स (ट्विटर) अकाउंट पर एक पोस्ट में बताया कि सन ग्रुप के चेयरमैन कलानिधि मारन और उनकी पत्नी कावेरी मारन ने जुबली हिल्स स्थित आवास पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री को अपनी बेटी काव्या मारन के शादी समारोह में आमंत्रित किया, जिसका आयोजन 21 नवंबर को चेन्नई में होना था।



रामायण में रावण का महिमामंडन, सेंसर सर्टिफिकेट रद्द करने की उठी मांग

विहिप ने शनिवार को मांग की कि फिल्म रामायण को दिया गया सेंसर सर्टिफिकेट रद्द किया जाए और इसकी स्क्रीनिंग तुरंत रोकी जाए। संगठन ने फिल्म निर्माताओं पर आरोप लगाया कि उन्होंने राक्षस राज रावण का महिमामंडन करने की दुर्भावनापूर्ण कोशिश की है। फिल्म रिलीज होने के कुछ दिनों बाद, विहिप के महासचिव बजरंग लाल बागरा ने इस बात पर कड़ा विरोध जताया कि फिल्म में मूल रामायण के कई तथ्यों को तोड़ा–मरोड़ा गया है, मनगढ़ंत घटनाएं जोड़ी गई हैं और कई महत्वपूर्ण पात्रों को जानबूझकर हटा दिया गया है। एक बयान में, बागरा ने कहा कि यह फिल्म भगवान राम के एक अरब से अधिक हिंदू भक्तों की धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ करके एक राजनीतिक नैरेटिव (विमर्श) को बढ़ावा देने की कोशिश करती है। उन्होंने कहा कि अहल्या का उद्धार, निषादराज गुह के साथ मित्रता और केवट की भक्ति जैसी घटनाएं, जो भगवान राम के व्यापक व्यक्तित्व का अहम हिस्सा हैं, उनका फिल्म में कोई जिक्र तक नहीं है। उन्होंने कहा, इसके बजाय, भगवान राम के उस महान मिशन को, जिसमें उन्होंने समाज के दुश्मनों और ऋषियों–मुनियों की साधना, यज्ञों और गुरुकुलों में बाधा डालने वाले राक्षसों का नाश किया था, केवल अपनी पत्नी के अपहरण का बदला लेने के लिए किए गए एक निजी संघर्ष के रूप में दिखाया गया है। बागरा ने आरोप लगाया कि फिल्म अहंकारी रावण को पीड़ितों के उद्धारकर्ता के रूप में महिमामंडित करके एक राजनीतिक नैरेटिव बनाने की कोशिश करती है। उन्होंने कहा कि रावण, ज्ञान, भक्ति और शक्ति के शिखर पर होने के बावजूद, अनैतिक था। वह अहंकार से भरा हुआ था और उसने सृष्टि के हर जीव को आतंकित किया और उन पर अत्याचार किए। उन्होंने कहा, रामायण के हर संस्करण में इस बात का स्पष्ट रूप से वर्णन किया गया है। विहिप के महासचिव ने कहा कि इस फिल्म ने उन करोड़ों हिंदुओं की भावनाओं को गहरी ठेस पहुंचाई है, जिनकी भगवान राम और रामायण में गहरी आस्था है, एक ऐसी परंपरा जो कई हजार सालों से चली आ रही है। उन्होंने कहा कि रामायण के साथ इस तरह की छेड़छाड़, जो व्यक्ति, परिवार, समाज और राजनीति में आचरण के नैतिक मूल्यों और सिद्धांतों को स्थापित करती है, समाज की नैतिक नींव पर हमले के समान है। उन्होंने कहा, समाज हिंदू समुदाय की भावनाओं के साथ खिलवाड़ करने की ऐसी कोशिशों को कभी स्वीकार नहीं करेगा। नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित और नमित मल्होत्रा व यश द्वारा निर्मित फिल्म रामायण राइज ऑफ अ लेजेंड में रणबीर कपूर भगवान राम की, साई पल्लवी सीता की और यश रावण की भूमिका निभा रहे हैं। दो भागों में बनी इस फिल्म का पहला हिस्सा 5 नवंबर को दुनिया भर में रिलीज किया गया था।





हवाई जहाज में बना कॉन्सर्ट का माहौल, सोनू निगम के लिए यात्रियों ने गाया ऐसा गाना कि देखते रह गए सिंगर

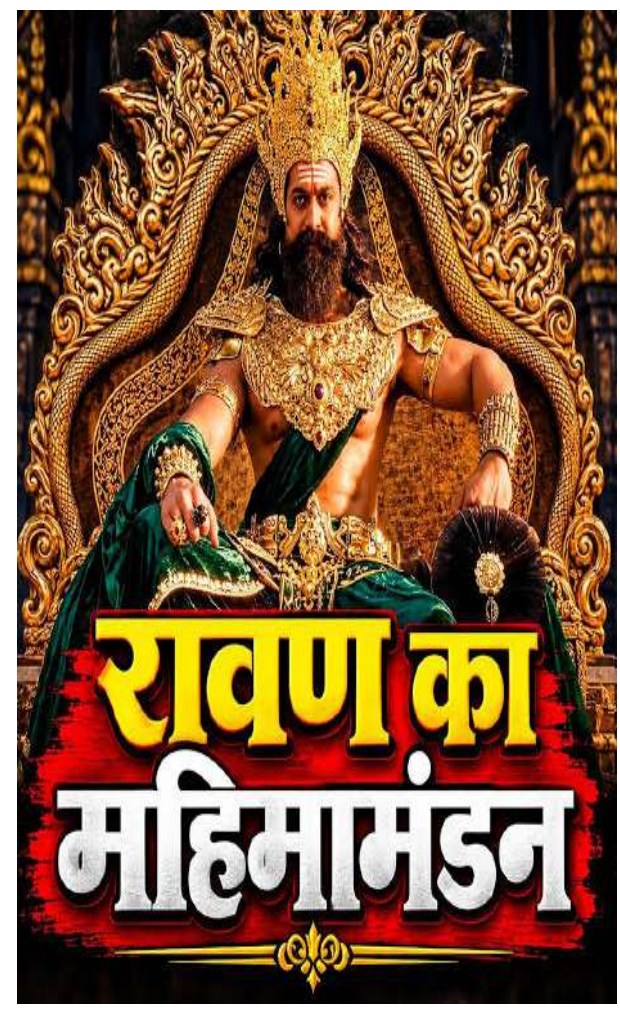
मशहूर गायक सोनू निगम को उस समय एक सुखद सरप्राइज मिला, जब फ्लाइट में मौजूद यात्रियों ने अचानक उनके लिए गाना शुरू कर दिया। यात्री उनके कुछ सबसे पसंदीदा गाने गा रहे थे, जिससे पूरा विमान एक छोटे से कॉन्सर्ट वेन्यू में बदल गया। सोनू निगम ने सोशल मीडिया पर इस यादगार पल की एक झलक शेयर की, जिसमें यात्री फ्लाइट के अंदर उनके गाने गाते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस खास परफॉरमेंस में कल हो ना हो और ओम शांति ओम जैसी फिल्मों के लोकप्रिय गाने–कल हो ना हो और मैं अगर कहूं शामिल थे। इस भावपूर्ण पल से सोनू काफी प्रभावित दिखे और वे अपने फोन से यात्रियों का वीडियो रिकॉर्ड करने लगे। एक समय पर, उन्होंने फ्रंट कैमरे का इस्तेमाल करके खुद को भी रिकॉर्ड किया, जबकि उनके पीछे यात्री लगातार गा रहे थे। यात्रियों ने भी अपने फोन निकाले और सोनू को रिकॉर्ड किया, जो खुद भी इस खास पल को अपने कैमरे में कैद कर रहे थे। फ्लाइट लैंड होने के बाद, सोनू ने इस बातचीत की एक और झलक शेयर की और यात्रियों के उत्साह की तारीफ की। उन्होंने बताया कि सीट बेल्ट का साइन बंद होने के बाद भी, यात्री अपनी सीटों पर बैठे रहे और उनका इंतजार करते रहे, क्योंकि वे उन्हें गाते हुए सुनना चाहते थे। गायक ने एक वीडियो पर लिखा– सीट बेल्ट के साइन बंद हो चुके हैं, फिर भी वे अपनी सीटों पर बैठे हैं। साफ है कि वे अब शो टाइम का इंतजार कर रहे हैं। इसके बाद सोनू ने भी उनके प्यार का जवाब देते हुए फ्लाइट में ही एक छोटा सा कॉन्सर्ट पेश किया। उन्होंने किसका है तुमको इंतजार, मैं हूं ना, तुझे लगे ना नजरिया और कल हो ना हो जैसे गाने गाए, जिससे उनके प्रशंसक बेहद खुश हो गए। सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर करते हुए सोनू ने कैप्शन लिखा ऐसा प्यार, जो सिर्फ सपनों में ही देखने को मिलता है। आप सभी का शुक्रिया। बता दें कि सोनू निगम लगभग चार दशकों से भारतीय फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा रहे हैं और उन्होंने अलग–अलग भाषाओं में 1000 से ज्यादा गाने गाए हैं।

डेढ़ साल से कहां गायब थी प्राची देसाई ?



अचानक सोशल मीडिया पर शेयर की तस्वीरें, बोलीं– अपने होने का सबूत

अभिनेत्री प्राची देसाई ने एक साल से ज्यादा समय बाद सोशल मीडिया पर वापसी करते हुए अपने प्रशंसकों को अपने होने का सबूत दिया है। प्राची ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं और कैप्शन लिखा, अपने होने का सबूत। हाल के वर्षों में प्राची सोशल मीडिया पर बहुत कम सक्रिय रही हैं। उनकी पिछली पोस्ट जून 2025 में आई थी, और अब डेढ़ साल बाद नवंबर 2026 में उन्होंने कुछ पोस्ट किया है। इन नई तस्वीरों में प्राची बहुत ही सहज अंदाज में बैठी नजर आ रही हैं। उन्होंने एक साधारण सफेद टी–शर्ट और नीली जींस पहनी हुई है, जिसमें उनके चेहरे के खास डिंपल साफ दिखाई दे रहे हैं। एक तस्वीर में वह कोई ठंडा पेय पीते हुए भी नजर आ रही हैं। प्रोफेशनल मोर्चे पर बात करें तो, प्राची देसाई एकता कपूर के शो कसम से के जरिए घर–घर में मशहूर हो गई थीं। जब उन्होंने इंडस्ट्री में कदम रखा, तब वह सिर्फ 17 साल की थीं। ज्यादा उन्हें बानी दीक्षित वालिया के किरदार के लिए चुना गया था, और उनके साथ राम कपूर थे, जिन्होंने जय वालिया की भूमिका निभाई थी। 2006 का यह जी टीवी शो बहुत बड़ा हिट रहा और बानी के रूप में प्राची को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। राम कपूर के साथ उनकी जोड़ी उस दौर की सबसे यादगार टेलीविजन जोड़ियों में से एक बन गई। बताया जाता है कि जब प्राची को कसम से के लिए चुना गया, तब वह अपनी पढ़ाई कर रही थीं। बाद में उन्होंने बताया था कि एक्टिंग में फुल–टाइम करियर बनाने के लिए उन्हें अपनी एचएसजी बोर्ड परीक्षाओं के बाद पढ़ाई छोड़नी पड़ी थी। इसके कुछ समय बाद ही प्राची ने टेलीविजन से बॉलीवुड का रुख किया। उन्होंने 2008 में रॉक ऑन !! फिल्म से हिंदी सिनेमा में डेब्यू किया। अभिषेक कपूर द्वारा निर्देशित इस फिल्म में फरहान अख्तर, अर्जुन रामपाल, पूरब कोहली और ल्यूक केनी भी थे। इस फिल्म में प्राची ने साक्षी का किरदार निभाया था, जो फरहान अख्तर के किरदार आदित्य की पत्नी थीं। बाद में, 2016 में प्राची रॉक ऑन 2 में साक्षी के किरदार में नजर आईं। इसके बाद उन्होंने लाइफ पार्टनर, वन्स अपॉन अ टाइम इन मुंबई, तेरी मेरी कहानी, जन्नत 2, बोल बच्चन, आई, मी और मैं, पुलिसगिरी और अजहर जैसी फिल्मों में काम किया। 2007 में, उन्होंने झलक दिखला जा 2 में हिस्सा लिया और इस डांस रियलिटी शो की विजेता बनीं।





ठंड भगाने के लिए बनाएं मसालेदार मैकरोनी पास्ता सूप की रेसिपी, हर घूंट में मिलेगा मजेदार स्वाद

सर्दियों के लिए शेफ ओमकार पवार ने स्वादिष्ट पास्ता सूप की रेसिपी साझा की है। इसे लहसुन, टमाटर प्यूरी, गाजर, शिमला मिर्च, कॉर्न, पनीर और मैकरोनी को मसालों के साथ पकाकर तैयार किया जाता है। कॉर्न फ्लोर से गाढ़ा कर और तुलसी डालकर परोसा जाने वाला यह गरमागरम सूप ठंड में हल्के भोजन का बेहतरीन विकल्प है।

सर्दियों में ठंडी शाम हो या फिर रात का समय, एक कटोरी गर्मागर्म सूप मिल जाए तो मजा ही आ जाता है। अगर आप भी इस मौसम में कुछ ऐसा बनाना चाहते हैं, जो स्वादिष्ट होने के साथ–साथ सब्जियों और पनीर से भरपूर हो, तो शेफ ओमकार पवार की पास्ता सूप रेसिपी ट्राई कर सकते हैं। इस सूप में टमाटर, गाजर, कॉर्न, शिमला मिर्च, पनीर और मैकरोनी का इस्तेमाल किया जाता है। इसमें लहसुन और मसालों का स्वाद इसे और भी खास बनाता है। आइए जानते हैं इसे घर पर बनाने का आसान तरीका।

पास्ता सूप बनाने के लिए जरूरी सामग्री

तेल – 20 मिलीलीटर
लहसुन – 30 ग्राम
चिली फ्लेक्स – 1 बड़ा चम्मच
ओरिगैनो – 1 बड़ा चम्मच
टमाटर की प्यूरी – 500 मिलीलीटर
पास्ता मसाला – 1 बड़ा चम्मच
लाल मिर्च पाउडर – आधा बड़ा चम्मच
नमक – स्वादानुसार
गाजर – 1 कप
कॉर्न – 1 कप
शिमला मिर्च – 1 कप
पनीर – 200 ग्राम
उबली हुई मैकरोनी – 300 ग्राम
पानी – 1500 मिलीलीटर
तुलसी के पत्ते – 20 ग्राम
कॉर्न फ्लोर – जरूरत के अनुसार

सर्दियों में ऐसे बनाएं गर्मागर्म पास्ता सूप

सबसे पहले तैयार करें टमाटर का बेसरू एक बड़े पैन में तेल गर्म करें। इसमें बारीक कटा लहसुन डालकर हल्का भूनें। अब चिली फ्लेक्स और ओरिगैनो डालकर अच्छी तरह मिलाएं। इसके बाद टमाटर की प्यूरी डालें और कुछ देर तक पकाएं, ताकि सभी चीजें अच्छी तरह मिल जाएं।

मसाले डालकर पकाएं: अब इसमें पास्ता मसाला, लाल मिर्च पाउडर और स्वादानुसार नमक डालें। सभी चीजों को अच्छी तरह मिलाकर कुछ देर उबलने दें।

सब्जियां, पनीर और पास्ता मिलाएं: अब टमाटर के बेस में गाजर, कॉर्न, शिमला मिर्च और पनीर डालें। इसके बाद उबली हुई मैकरोनी और 1500 मिलीलीटर पानी डालकर अच्छी तरह मिलाएं।

सूप को गाढ़ा करें: अगर आपको सूप थोड़ा गाढ़ा पसंद है, तो इसमें जरूरत के अनुसार कॉर्न फ्लोर मिलाएं। स्वाद बढ़ाने के लिए चाहें तो थोड़ा अजीनोमोटो भी डाल सकते हैं। अब इसे 5 से 10 मिनट तक पकने दें, ताकि सब्जियां और मसाले अच्छी तरह मिल जाएं।

तुलसी डालकर परोसें: आखिर में तुलसी के पत्ते डालें और गर्मागर्म सूप को बाउल में निकालकर परोसें। सर्दियों में यह स्वादिष्ट पास्ता सूप शाम के नाश्ते या हल्के खाने के लिए अच्छा विकल्प हो सकता है।

खास टिप: कॉर्न फ्लोर को सीधे गर्म सूप में डालने के बजाय थोड़े ठंडे पानी में घोलकर मिलाएं। इससे सूप में गांठें नहीं पड़ेंगी।

सुबह उठते ही मुंह से बदबू आती है? जानें बचाव के तरीके





सुबह सोकर उठने के बाद मुंह से बदबू आना काफी आम बात है। ज्यादातर लोगों के साथ ऐसा होता है और ब्रश करने के बाद यह परेशानी दूर भी हो जाती है। लेकिन अगर दिनभर ब्रश करने, माउथवॉश इस्तेमाल करने और पानी पीने के बावजूद आपके मुंह से बदबू आती रहती है, तो इसे नजरअंदाज करना ठीक नहीं है। इसके पीछे सिर्फ पेट की गड़बड़ी या मुंह की सफाई में कमी ही नहीं, बल्कि दांतों और मसूड़ों से जुड़ी समस्याएं भी हो सकती हैं। कुछ दूसरी स्वास्थ्य समस्याएं भी सांसों में दुर्गंध की वजह बन सकती हैं।

कई बार लोग इस परेशानी के कारण दूसरों के सामने खुलकर बात करने से कतराने लगते हैं। उन्हें लगता है कि बातचीत करते समय सामने वाला उनकी सांसों की बदबू महसूस कर रहा होगा। धीरे–धीरे यह समस्या उनके आत्मविश्वास पर भी असर डालने लगती है। ऐसे में जरूरी है कि मुंह से बदबू आने के कारण को समझा जाए और समय रहते इसका सही इलाज कराया जाए।

मुंह से बदबू आने की समस्या को क्या कहते हैं?

लगातार मुंह से दुर्गंध आने की समस्या को मेडिकल भाषा में हैलिटोसिस कहा जाता है। यह समस्या किसी भी उम्र के व्यक्ति को हो सकती है। सुबह उठने पर सांसों में हल्की बदबू आना सामान्य है, क्योंकि सोते समय मुंह में लार बनने की मात्रा कम हो जाती है। लार कम होने से मुंह में बैक्टीरिया बढ़ सकते हैं, जो बदबू पैदा करते हैं। हालांकि, अगर ब्रश करने के बाद भी बदबू बनी रहती है या दिनभर बार–बार यह परेशानी होती है, तो इसके पीछे कोई दूसरी वजह हो सकती है। कई लोग इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए बार–बार ब्रश करते हैं, इलायची खाते हैं या माउथवॉश का इस्तेमाल करते हैं। इससे कुछ समय के लिए बदबू कम हो सकती है, लेकिन अगर असली कारण का पता नहीं लगाया जाए तो समस्या दोबारा होने लगती है।

मुंह से बदबू आने के पीछे क्या हो सकते हैं कारण?

मुंह से बदबू आने के लिए सिर्फ पेट की समस्या जिम्मेदार नहीं होती। इसके कई कारण हो सकते हैं।

दांतों और मसूड़ों की परेशानी

अगर आप नियमित रूप से दांतों की सफाई नहीं करते हैं, तो दांतों के बीच खाने के छोटे–छोटे टुकड़े फंस सकते हैं। धीरे–धीरे इन जगहों पर बैक्टीरिया पनपने लगते हैं, जिससे मुंह से बदबू आने लगती है। इसके अलावा दांतों में कैविटी, मसूड़ों में सूजन और संक्रमण भी सांसों की दुर्गंध का कारण बन सकते हैं।

जीभ की ठीक से सफाई न करना

अक्सर लोग रोजाना ब्रश तो करते हैं, लेकिन अपनी जीभ साफ करना भूल जाते हैं। जीभ की सतह पर बैक्टीरिया और खाने के अवशेष जमा हो सकते हैं। यही बैक्टीरिया बदबू पैदा करने लगते हैं। इसलिए दांतों के साथ जीभ की सफाई करना भी जरूरी है।

प्याज, लहसुन और मसालेदार खाना

आप क्या खाते हैं, इसका असर आपकी सांसों पर भी पड़ता है। प्याज, लहसुन और तेज मसालों वाले खाने से मुंह में कुछ समय तक दुर्गंध रह सकती है। कॉफी पीने से भी सांसों में बदबू आ सकती है।

मुंह का सूखना

लार हमारे मुंह को साफ रखने और बैक्टीरिया को नियंत्रित करने में मदद करती है। लेकिन जब मुंह में लार कम बनने लगती है, तो बैक्टीरिया तेजी से बढ़ सकते हैं। पानी कम पीना, मुंह से सांस लेना और कुछ दवाओं के कारण मुंह सूख सकता है।

टॉन्सिल और गले का संक्रमण

गले और टॉन्सिल में संक्रमण होने पर भी मुंह से बदबू आ सकती है। कुछ लोगों के टॉन्सिल में छोटे–छोटे सफेद या पीले रंग के कण जमा हो जाते हैं, जिन्हें टॉन्सिल स्टोन कहा जाता है। इनमें बैक्टीरिया और खाने के अवशेष जमा होने से तेज दुर्गंध पैदा हो सकती है।

नाक और साइनस से जुड़ी समस्या

अगर आपको बार–बार साइनस का संक्रमण, नाक बंद रहने या गले में बलगम जमा होने की परेशानी रहती है, तो इससे भी सांसों में बदबू आ सकती है। नाक और गले में जमा बलगम बैक्टीरिया के पनपने की वजह बन सकता है।

कुछ अन्य बीमारियां भी हो सकती हैं वजह

कभी–कभी लगातार मुंह से बदबू आने के पीछे कुछ दूसरी स्वास्थ्य समस्याएं भी जिम्मेदार हो सकती हैं। उदाहरण के लिए, डायबिटीज में सांसों से फलों जैसी या मीठी गंध आ सकती है, खासकर जब शरीर में डायबिटिक कीटोएसिडोसिस (डीकेए) जैसी गंभीर स्थिति बन जाए। इसके अलावा कुछ किडनी और लिवर संबंधी समस्याओं में भी सांसों की गंध बदल सकती है। इसलिए अगर मुंह की अच्छी तरह सफाई करने के बाद भी बदबू दूर नहीं हो रही है, तो डॉक्टर से जांच करवाना जरूरी है।

एनएचएस के अनुसार, मुंह की बदबू दूर करने के लिए अपनाएं ये आदतें

ब्रिटेन की नेशनल हेल्थ सर्विस (एनएचएस) के अनुसार, रोजाना मुंह और दांतों की सही तरीके से सफाई करने से सांसों की दुर्गंध की समस्या को कम करने में मदद मिल सकती है। दिन में कम से कम दो बार करीब 2 मिनट तक दांतों और मसूड़ों को ब्रश करें। फ्लोराइड वाले टूथपेस्ट का इस्तेमाल करें। रोजाना एक बार टंग स्क्रैपर या टंग क्लीनर से जीभ को धीरे–धीरे साफ करें। दांतों के बीच फंसे खाने को निकालने के लिए रोजाना फ्लॉस या इंटरडेंटल ब्रश का इस्तेमाल करें। समय–समय पर डेंटिस्ट से दांतों की जांच करवाते रहें। अगर आप नकली दांत यानी डेंचर इस्तेमाल करते हैं, तो उनकी नियमित सफाई करें और रात में उन्हें निकालकर रखें। प्याज, लहसुन या तेज गंध वाली चीजें खाने के बाद शुगर–फ्री च्युइंग गम या मिंट का इस्तेमाल कर सकते हैं। जरूरत पड़ने पर डेंटिस्ट की सलाह से एंटीबैक्टीरियल माउथवॉश या टूथपेस्ट इस्तेमाल करें।

दिल को रखेगा दुरुस्त और वजन घटाने में भी मददगार, सर्दियों के इस फल को खाने के हैं ये 5 बड़े फायदे



सर्दियों का मौसम आते ही बाजार में कई तरह के मौसमी फल मिलने लगते हैं। इन्हीं में से एक है सिंघाड़ा, जो स्वाद में हल्का मीठा और खाने में कुरकुरा होता है। कुछ लोग इसे कच्चा खाना पसंद करते हैं, तो कुछ उबालकर खाते हैं। वहीं, कई घरों में इसकी स्वादिष्ट सब्जी भी बनाई जाती है। सिंघाड़े का आटा भी काफी इस्तेमाल किया जाता है, खासकर व्रत के दौरान। सिंघाड़ा सिर्फ स्वाद में ही अच्छा नहीं होता, बल्कि इसमें कई ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं जो सेहत के लिए फायदेमंद हो सकते हैं। यह दिल की सेहत से लेकर वजन कंट्रोल करने तक में मदद कर सकता है।

आइए जानते हैं सर्दियों में सिंघाड़ा खाने के 5 बड़े फायदे।

कम कैलोरी में मिलते हैं कई पोषक तत्व

सिंघाड़ा पानी से भरपूर फल है। हेल्थलाइन के मुताबिक, इसमें करीब 74 प्रतिशत पानी होता है। साथ ही इसमें कैलोरी की मात्रा भी कम होती है। इसमें फाइबर, मैंगनीज, कॉपर, राइबोफ्लेविन, विटामिन ठ6 और पोटेशियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। यही वजह है कि इसे सर्दियों की डाइट में शामिल करना अच्छा विकल्प हो सकता है। इसे कच्चा या उबालकर खाया जा सकता है।

दिल की सेहत के लिए फायदेमंद

सिंघाड़ा दिल की सेहत को बेहतर बनाए रखने में भी मदद कर सकता है। इसमें पोटेशियम अच्छी मात्रा में पाया जाता है, जो ब्लड प्रेशर को सामान्य बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है। दरअसल, हाई ब्लड प्रेशर, खराब कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल) और बढ़े हुए ट्राइग्लिसराइड्स दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ा सकते हैं। पोटेशियम से भरपूर चीजें खाने से ब्लड प्रेशर को कंट्रोल रखने में मदद मिल सकती है। ऐसे में सिंघाड़े को संतुलित डाइट का हिस्सा बनाया जा सकता है।

शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाने में मददगार

सिंघाड़े में कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, जैसे फेरुलिक एसिड, कैटचिन और एपिकेटचिन गैलेट। ये शरीर को फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से बचाने में मदद करते हैं। फ्री रेडिकल्स की अधिकता से शरीर में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस बढ़ सकता है। लंबे समय तक ऐसा होने पर कई पुरानी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। ऐसे में एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर सिंघाड़ा सेहत के लिए अच्छा विकल्प हो सकता है।

ब्लड शुगर कंट्रोल रखने में मददगार

सिंघाड़े का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम माना जाता है। इसका मतलब है कि इसे खाने के बाद ब्लड शुगर तेजी से बढ़ने की संभावना अपेक्षाकृत कम हो सकती है। यही वजह है कि डायबिटीज से परेशान लोग भी इसे सीमित मात्रा में अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। हालांकि, हर व्यक्ति का ब्लड शुगर और शरीर की जरूरत अलग होती है, इसलिए डायबिटीज के मरीजों को इसकी मात्रा को लेकर डॉक्टर या डाइटिशियन से सलाह लेनी चाहिए।

वजन कम करने में भी हो सकता है मददगार

अगर आप वजन कम करने की कोशिश कर रहे हैं, तो सिंघाड़ा आपकी डाइट का अच्छा हिस्सा बन सकता है। इसमें पानी की मात्रा ज्यादा और कैलोरी कम होती है। साथ ही इसमें मौजूद फाइबर पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराने में मदद करता है। इससे बार–बार भूख लगने और कुछ भी खाने की आदत को कम करने में मदद मिल सकती है। इसलिए वजन घटाने की कोशिश कर रहे लोग इसे स्नैक्स के तौर पर खा सकते हैं।

सर्दियों में किस तरह खाएं सिंघाड़ा?

सिंघाड़े को खाने के कई तरीके हैं। आप इसे धोकर कच्चा खा सकते हैं या उबालकर भी अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। इसके अलावा इसकी सब्जी और आटे से कई तरह के व्यंजन बनाए जाते हैं। हालांकि, इसके पूरे पोषण का फायदा लेने के लिए ताजा सिंघाड़ा खाना अच्छा विकल्प है। इसे अपनी डाइट में संतुलित मात्रा में शामिल करें।

नोट: सिंघाड़ा सेहतमंद डाइट का हिस्सा हो सकता है, लेकिन यह किसी बीमारी का इलाज नहीं है। इसलिए डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

संक्षिप्त



33 रन पर गंवाया विकेट

जसप्रीत बुमराह ने मैच में दूसरी बार न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम का विकेट लिया और भारत के पहली पारी के नौ विकेट पर 720 रन के जवाब में न्यूजीलैंड ने पहले क्रिकेट टेस्ट के चौथे दिन चाय तक एक विकेट 33 रन पर गंवा दिया। इससे पहले ऋषभ पंत (153 गेंद में 128 रन) एसईएनए (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, आस्ट्रेलिया) देशों में टेस्ट शतक लगाने वाले छठे भारतीय बल्लेबाज और पहले एशियाई विकेटकीपर बन गए। उनसे पहले केएल राहुल यह कारनामा करने वाले पांचवें भारतीय बल्लेबाज बने। दोनों के शतकों की मदद से भारत ने पहली पारी में 352 रन की विशाल बढत हासिल कर ली। भारत ने नौ विकेट पर 720 रन बनाये जो न्यूजीलैंड में किसी टीम का सर्वोच्च स्कोर है। बेसिन रिजर्व का विकेट राजकोट या रावलपिंडी की तरह लग रहा था।

पारी की हार का खतरा

ऋषभ पंत के रिकॉर्ड नौवें शतक की मदद से भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के चौथे दिन रविवार को नौ विकेट पर 720 रन का विशाल स्कोर बनाकर पारी घोषित की जिसके जवाब में मेजबान टीम शुरूआती झटकों से उबरकर संभलती दिख रही है। भारत की पहली पारी में कई रिकॉर्ड टूटे। पंत दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड , आस्ट्रेलिया (एसईएनए देश) में शतक लगाने वाले एशिया के पहले विकेटकीपर और भारत के छठे बल्लेबाज बन गए। इससे पहले केएल राहुल एसईएनए देशों में टेस्ट शतक लगाने वाले पांचवें भारतीय बल्लेबाज बने।सचिन तेंदुलकर, मोहम्मद अजहरूद्दीन, राहुल द्रविड़ और विराट कोहली यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। पंत ने इंग्लैंड में चार (ओवल पर 2018 में 118, बर्मिंघम में 2022 में 146 और लीड्स में 2025 में 134 और 118), आस्ट्रेलिया में एक (2019 में सिडनी में 159) और दक्षिण अफ्रीका में एक (2022 में केपटाउन में 100) शतक लगाया है। भारत का यह तीसरा सर्वोच्च टेस्ट स्कोर है। इससे पहले भारत ने चेन्नई में 2016 में इंग्लैंड के खिलाफ सात विकेट पर 759 और 2009 में मुंबई में श्रीलंका के खिलाफ नौ विकेट पर 726 रन बनाये थे। यह विदेशी धरती पर भारत का सर्वोच्च टेस्ट स्कोर है। इससे पहले आस्ट्रेलिया के खिलाफ 2004 में सिडनी टेस्ट में भारत ने सात विकेट पर 705 रन बनाये थे जो उसका सर्वोच्च स्कोर था।

निरंतरता पर है फोकस

दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया में टेस्ट शतक जड़ने वाले पहले एशियाई विकेटकीपर ऋषभ पंत ने कहा कि मैदान पर रहने से उन्हें खुशी मिलती है और वह प्रदर्शन में निरंतरता पर फोकस कर रहे हैं। पंत की मैच फिटनेस को लेकर सवाल उठ रहे थे क्योंकि वह बाजू में खिंचाव के कारण न्यूजीलैंड में भारत ए के लिये नहीं खेल सके थे। उन्हें इस टेस्ट श्रृंखला से पहले मैच अभ्यास नहीं मिल पाया। उन्होंने अपने आलोचकों को करारा जवाब देते हुए पहले टेस्ट में 153 गेंद में 128 रन बनाये। टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में ब्रेंडन मैकुलम को पछाड़कर दूसरे क्रिकेटर बने पंत ने मेजबान प्रसारक से कहा ,'' मैं लगातार अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं और हर पारी में अपनी छाप छोउघ्ना चाहता हूं।'' उन्होंने कहा ,'' मैं जब भी मैदान पर उतरता हूं, चाहे फील्डिंग करूं या बल्लेबाजी, मैं पूरा मजा लेना चाहता हूं। मैदान पर उतरने से मुझे खुशी मिलती है। मुझे रोज मैदान पर उतरना अच्छा लगता है।'' पंत ने कहा ,'' लेकिन साथ ही आपको मैदान पर की जाने वाली उस कड़ी मेहनत का आनंद भी लेना होगा, क्योंकि हर दिन आपको कोई रोमांचक विकेट नहीं मिलेगी। आपको डटे रहना होगा और मेहनत करनी होगी, खासकर टेस्ट क्रिकेट में।'' उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड में पहला टेस्ट शतक लगाना खास था। उन्होंने कहा ,'' यह अच्छा शतक था।

उनकी आक्रामक सोच से बहुत कुछ सीखा

(कुशान सरकार) वेलिंगटन, 22 नवंबर ध्रुव जुरेल अपने साथी विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को 'असाधारण प्रतिभा' और एक 'मेंटोर' (मार्गदर्शक) मानते हैं जिनके टेस्ट क्रिकेट में बल्लेबाजी के प्रति दृष्टिकोण का वह बारीकी से आकलन करते हैं। जुरेल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के चौथे दिन पंत के साथ मिलकर मात्र 14 ओवरों में 75 रन साझेदारी की, जिससे भारत ने बेसिन रिजर्व में न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के चौथे दिन रिकॉर्ड नौ विकेट 720 रन बनाकर अपनी पारी समाप्त घोषित की। जुरेल ने चौथे दिन का खेल समाप्त होने के बाद पत्रकारों से कहा, ''ऋषभ असाधारण खिलाड़ी है। मैं हमेशा उससे उसकी मानसिकता के बारे में पूछता रहता हूं। जब भी हम सब सोचते हैं कि वह सामान्य तरीके से खेलेगा, तभी वह आगे बढ़कर जोरदार शॉट लगा देता है। मैं उसे एक मेंटोर के रूप में देखता हूं।'' जहां पंत ने अपने शतक से सुर्खियां बटोरीं, वहीं जुरेल ने विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में अपनी जगह पक्की करने के लिए एक और शानदार पारी खेली। श्रीलंका में टेस्ट शतक लगाने के बाद जुरेल ने यहां केवल 79 गेंदों में 78 रन की आक्रामक पारी खेली जिससे पता चलता है कि वह विभिन्न परिस्थितियों की अनुकूल ढलने की योग्यता रखते हैं। जुरेल ने कहा ''मैं परिस्थितियों को ध्यान में रखकर खेलता हूं। परिस्थितियों से अच्छी तरह सामंजस्य से बिठाने से आत्मविश्वास बढ़ता है।

मैच बचाने के लिए लंबी बल्लेबाजी जरूरी: रविंद्र

(कुशान सरकार) वेलिंगटन, 22 नवंबर न्यूजीलैंड के बल्लेबाज रचिन रविंद्र ने स्वीकार किया कि पहले टेस्ट के चौथे दिन रविवार को यहां भारतीय बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन से उनकी टीम 'बैकफुट' पर चली गई थी। भारत ने अपनी पहली पारी नौ विकेट पर 720 रन बनाकर समाप्त घोषित की और इस तरह से पहली पारी में 352 रन की बढ़त बनाई। न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी में 368 रन बनाए थे। न्यूजीलैंड ने चौथे दिन का खेल समाप्त होने के समय अपनी दूसरी पारी में दो विकेट पर 119 रन बनाए हैं। डेवोन कॉनवे और रविंद्र अभी क्रीज पर हैं और उनकी टीम भारत से 233 रन पीछे है।

क्या पारी से जीत पाएगा भारत?

आखिरी दिन लेने होंगे आठ विकेट, न्यूजीलैंड 233 रन पीछे, जानिए आज क्या-क्या हुआ

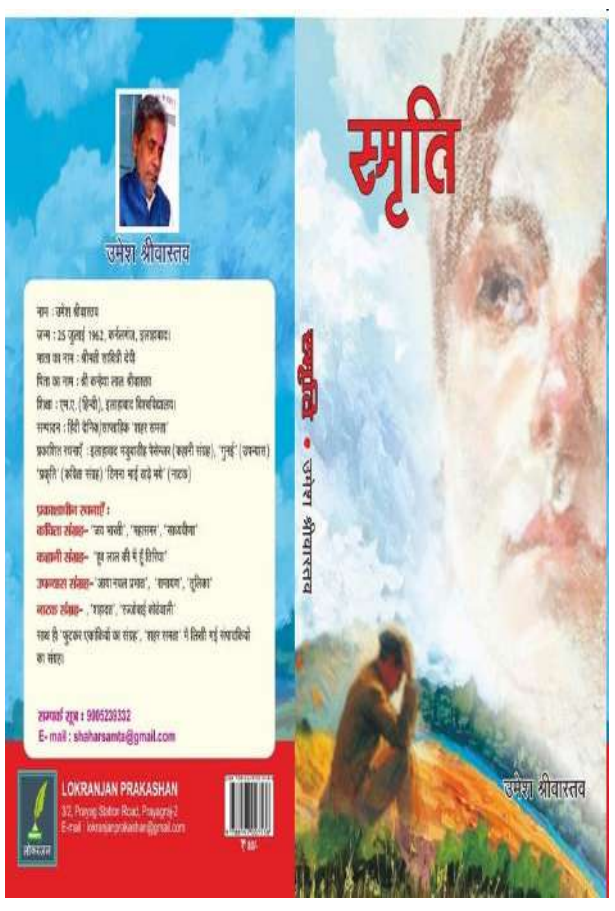
वेलिंगटन। ऋषभ पंत के शतक से भारत ने वेलिंगटन टेस्ट में अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। चौथे दिन टीम इंडिया ने पहली पारी नौ विकेट पर 720 रन बनाकर घोषित की और 352 रन की विशाल बढ़त हासिल की। भारत ने विदेशी धरती पर अपना सबसे बड़ा टेस्ट स्कोर बनाया। चौथे दिन का खेल खत्म होने तक न्यूजीलैंड ने 45 ओवर में दो विकेट पर 119 रन बना लिए थे। कॉनवे 59 और रचिन 27 रन बनाकर नाबाद थे। न्यूजीलैंड अभी भारत से 233 रन पीछे है। भारतीय टीम ने वेलिंगटन टेस्ट के चौथे दिन पूरी तरह अपना दबदबा बनाए रखा। ऋषभ पंत के तूफानी शतक और ध्रुव जुरेल की शानदार अर्धशतकीय पारी की बदौलत भारत ने पहली पारी नौ विकेट पर 720 रन बनाकर घोषित की। इस तरह टीम इंडिया को पहली पारी के आधार पर 352 रन की विशाल बढ़त मिली। इसके जवाब में न्यूजीलैंड की दूसरी पारी में भी शुरुआत अच्छी नहीं रही। जसप्रीत बुमराह ने एक बार फिर कप्तान टॉम लाथम को खाता खोले बिना पवेलियन भेज दिया। दिन का खेल समाप्त होने तक न्यूजीलैंड ने दो विकेट पर 119 रन बना लिए थे। मेजबान टीम अभी भी भारत से 233 रन पीछे है और उसके सामने टेस्ट मैच बचाने की बड़ी चुनौती है। पंत ने शतक से बदला मैच का रुख, भारत ने तेजी से बनाए रन चौथे दिन भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में चार विकेट पर 486 रन से आगे खेलना शुरू किया। क्रीज पर ऋषभ पंत 55 रन बनाकर मौजूद थे, जबकि अंशुल कंबोज को अपना खाता खोलना बाकी था। भारत की नजर बड़ी बढ़त हासिल करने पर थी। पंत ने दिन की शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज अपनाया। उन्होंने अंशुल कंबोज के साथ मिलकर तेजी से रन बटोरे। दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट के लिए 68 रन की साझेदारी हुई। अंशुल कंबोज ने 42 गेंदों में 38 रन बनाए। उन्हें ग्लेन फिलिप्स ने डेवोन कॉनवे के हाथों कैच कराया। इसके बाद पंत को ध्रुव जुरेल का साथ मिला। दोनों ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों पर दबाव बनाए रखा। पंत ने ग्लेन फिलिप्स की गेंद पर चौका और अगली ही गेंद पर छक्का लगाकर अपने टेस्ट करियर का नौवां शतक पूरा किया। उनके शतक पूरा करते ही भारतीय ड्रेसिंग रूम में जश्न का माहौल बन गया। पंत ने अपने चिर-परिचित अंदाज में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। पंत ने 153 गेंदों में 10 चौकों और छह छक्कों की मदद से 128 रन बनाए। वह लंच से

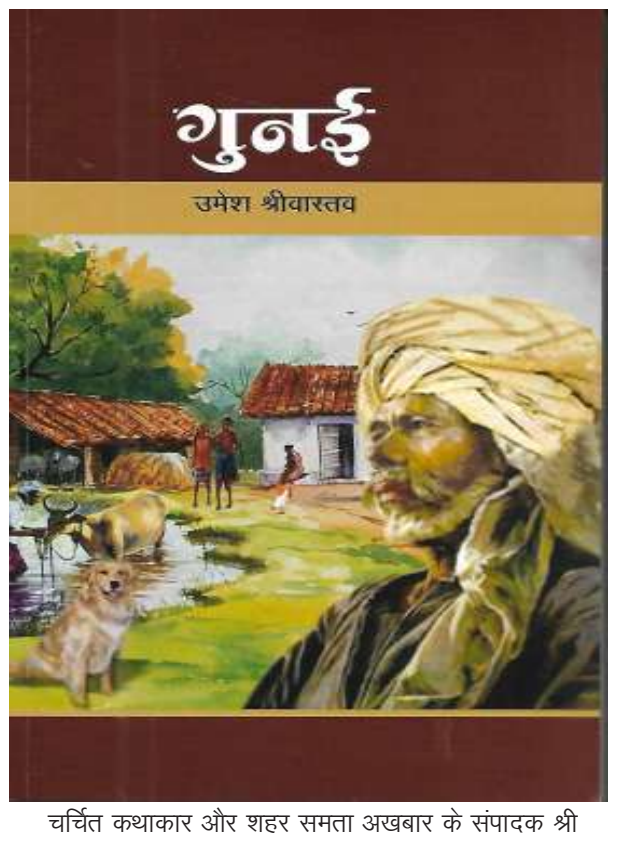


ठीक पहले रचिन रवींद्र की गेंद पर नाथन स्मिथ के हाथों कैच आउट हुए। उन्होंने ध्रुव जुरेल के साथ छठे विकेट के लिए 75 रन जोड़े। इस दौरान पंत ने टेस्ट क्रिकेट में अपने छक्कों की संख्या 108 तक पहुंचा दी और सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर पहुंच गए। उन्होंने न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ब्रेंडन मैकुलम को पीछे छोड़ दिया। जुरेल ने भी खेली शानदार पारी, भारत ने 720 रन पर घोषित की पारी ऋषभ पंत के आउट होने के बाद ध्रुव जुरेल ने जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने एक छोर पर टिककर बल्लेबाजी की और अपना तीसरा टेस्ट अर्धशतक पूरा किया। जुरेल ने वॉशिंगटन सुंदर के साथ भी उपयोगी साझेदारी की। वॉशिंगटन सुंदर ने 24 रन बनाए। उन्हें रचिन रवींद्र ने अपनी ही गेंद पर कैच किया। इसके बाद आकाश दीप ने भी तेज अंदाज में बल्लेबाजी की। उन्होंने पांच गेंदों में दो छक्कों की मदद से 13 रन बनाए, लेकिन ग्लेन फिलिप्स ने उन्हें टॉम लाथम के हाथों कैच करा दिया। दूसरी ओर जुरेल ने अपनी पारी जारी रखी। उन्होंने 79 गेंदों में सात चौकों और एक छक्के की मदद से 78 रन बनाए। 720 के स्कोर पर जुरेल का विकेट गिरते ही कप्तान शुभमन गिल ने भारतीय पारी घोषित कर दी। जसप्रीत बुमराह सात रन बनाकर नाबाद रहे। भारत ने नौ विकेट पर 720 रन बनाए और पहली पारी में 352 रन की बढ़त हासिल की। भारत ने बनाए कई बड़े रिकॉर्ड भारतीय टीम की 720 रन की पारी सिर्फ बड़ी बढ़त के लिहाज से ही खास नहीं रही, बल्कि इस दौरान कई रिकॉर्ड भी बने। भारत का यह विदेशी धरती पर टेस्ट क्रिकेट में अब तक का सबसे बड़ा स्कोर रहा। इसके अलावा छ देशों यानी दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में भी भारतीय टीम ने अपना सबसे बड़ा टेस्ट स्कोर बनाया। इस पारी की एक और बड़ी उपलब्धि शुरुआती सात विकेट के लिए लगातार 50 या उससे ज्यादा रन की साझेदारियां होना रही। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ। भारत की ओर से यशस्वी जायसवाल ने 85, केएल राहुल ने 136, देवदत्त पडिक्कल ने 80, शुभमन गिल ने 98 और ऋषभ पंत ने 128 रन बनाए। ध्रुव जुरेल ने 78 रन की पारी खेली। अंशुल कंबोज ने 38, वॉशिंगटन सुंदर ने 24 और आकाश दीप ने 13 रन का योगदान दिया। न्यूजीलैंड की ओर से ग्लेन फिलिप्स सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने तीन विकेट लिए।

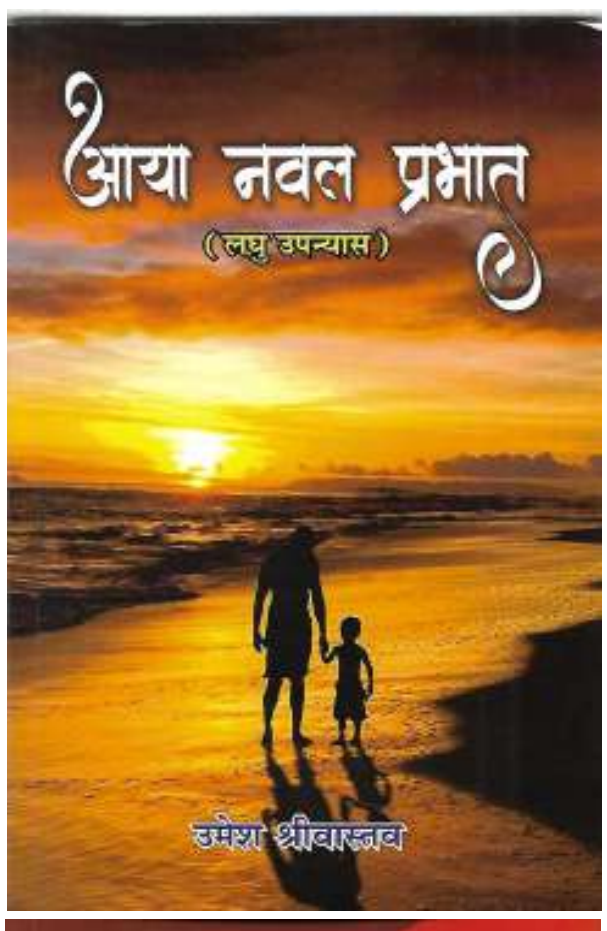
राइजिंग स्टार एशिया कप: पाकिस्तान के खिलाफ क्या हो सकती है भारत की प्लेइंग-11

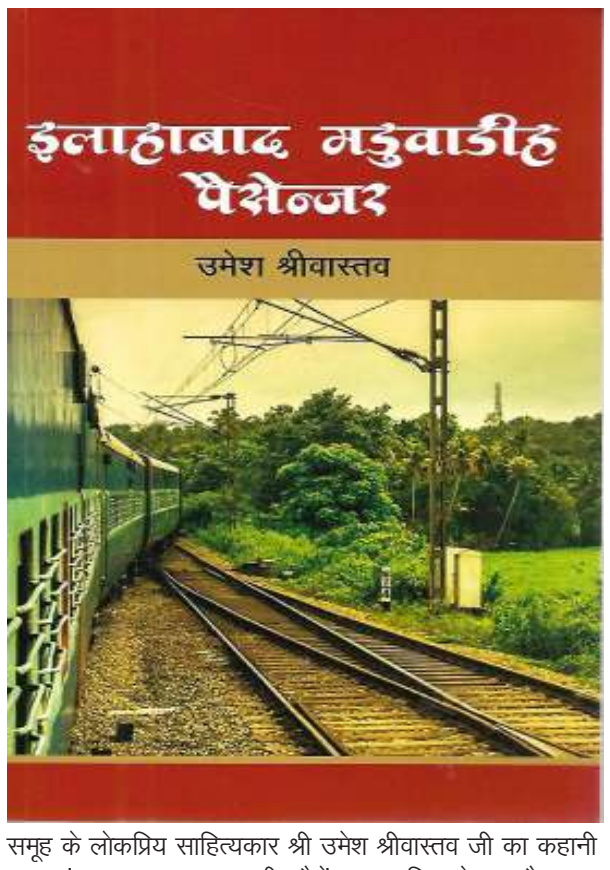
दोहा। दोहा में आज क्रिकेट का सबसे बड़ा रोमांच देखने को मिलेगा, जब चिर-प्रतिद्वंद्वी भारत-ए और पाकिस्तान-ए आमने-सामने होंगे। नेपाल को 306 रनों से रौंदने के बाद तिलक वर्मा की सेना के हौसले बुलंद हैं, लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ पिछले रिकॉर्ड और 2023 फाइनल की हार टीम इंडिया के लिए बड़ी चुनौती बने हुए हैं। क्या कप्तान तिलक वर्मा अपने विनिंग कॉम्बिनेशन में कोई बड़ा बदलाव करेंगे या वही घातक प्लेइंग-11 उतरेगी? जानें दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग-11 और चौंकाने वाले हेड-टू-हेड आंकड़े... एसीसी मेंस राइजिंग स्टार्स एशिया कप 2026 के आठवें मुकाबले में आज, 22 नवंबर को चिर-प्रतिद्वंद्वी भारत-ए और पाकिस्तान शाहीन्स (पाकिस्तान-ए) की टीमें आमने-सामने होंगी। दोहा के वेस्ट एंड पार्क इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाने वाला यह 50-ओवर का मुकाबला ग्रुप-बी में शीर्ष स्थान हासिल करने के लिहाज से बेहद अहम है। यह मुकाबला दोपहर 3रू30 बजे (भारतीय समयानुसार) से खेला जाएगा। टॉस दोपहर तीन बजे होगा। लय में दोनों टीमें, विनिंग कॉम्बिनेशन के साथ उतरने की उम्मीद कप्तान तिलक वर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम शानदार फॉर्म में है।



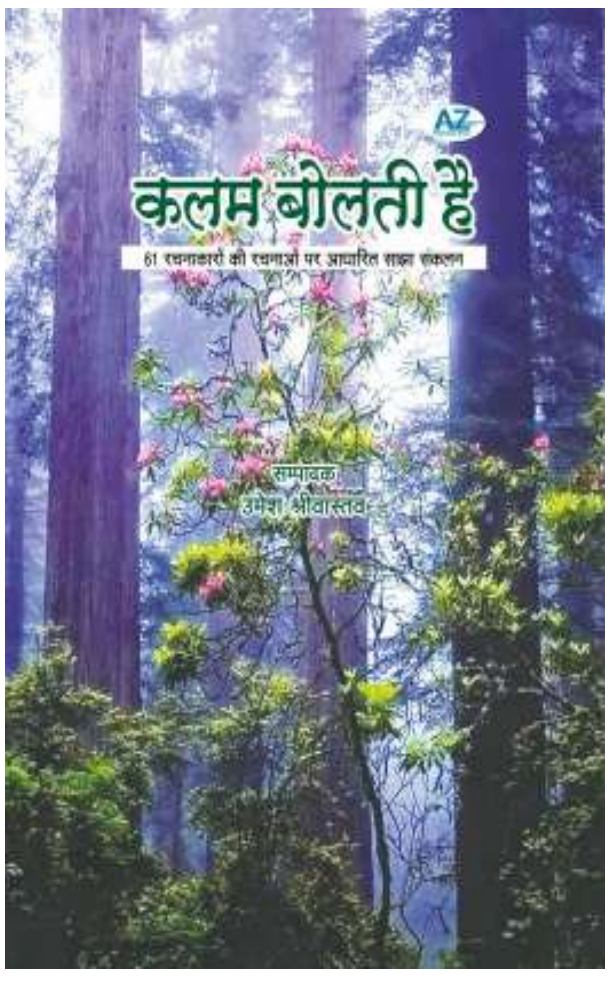


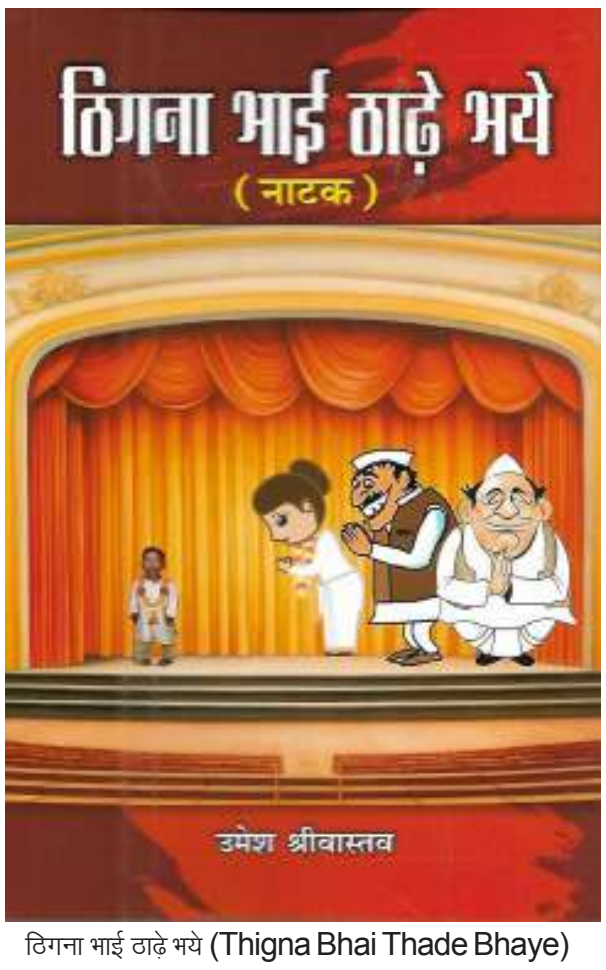
चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित





समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।





ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

फ्रांस में सड़कों पर उतरे हजारों लोग, पुलिस ने किया लाठीचार्ज और पेपर स्प्रे का इस्तेमाल

फ्रांस में बढ़ती महंगाई और सरकारी खर्च में कटौती के विरोध में शनिवार को हजारों लोग सड़कों पर उतर आए। राजधानी पेरिस समेत देश के कई शहरों में बड़े स्तर पर प्रदर्शन हुए। इस दौरान कई जगहों पर प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़पें भी हुईं। हालात संभालने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया और पेपर स्प्रे का इस्तेमाल किया। फ्रांस के गृह मंत्रालय के मुताबिक, देशभर में हुए इन प्रदर्शनों में



करीब 82,500 लोगों ने हिस्सा लिया, जबकि 144 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

पेरिस में प्लेस डे ला रिपब्लिक से निकला प्रदर्शनकारियों का मार्च

पेरिस में शनिवार दोपहर करीब 2 बजे बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी ऐतिहासिक प्लेस डे ला रिपब्लिक पर इकट्ठा हुए। यहां से उन्होंने प्लेस डे ला नेशन तक मार्च निकाला। इस प्रदर्शन में मजदूर संगठनों, छात्र संगठनों और येलो वेस्ट आंदोलन से जुड़े लोगों ने हिस्सा लिया। प्रदर्शनकारियों ने फ्रांस का राष्ट्रगान गाया और फ्रांस के साथ फिलिस्तीन के झंडे भी लहराए। मार्च के दौरान लोगों ने सरकार की आर्थिक नीतियों और राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के खिलाफ नारे लगाए।

महंगाई और सरकारी खर्च में कटौती से नाराज लोग

प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांगों में सरकारी खर्च में कटौती रोकना और छात्रों के लिए बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराना शामिल था। उनका कहना था कि जब देश में महंगाई बढ़ रही है, तब सरकारी खर्च में कटौती से आम लोगों और छात्रों की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। इसके अलावा प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की कार्रवाई का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कानून लागू करने वाले अधिकारियों के हथियारों के इस्तेमाल से जुड़े प्रस्तावित कानून का विरोध किया। साथ ही पुलिस की जवाबदेही तय करने की मांग की।

कई शहरों में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प

प्रदर्शन के दौरान पेरिस समेत कई शहरों में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तनाव बढ़ गया। हालात बिगड़ने पर पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज किया और पेपर स्प्रे का इस्तेमाल किया। फ्रांस के गृह मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, इन प्रदर्शनों में करीब 82,500 लोग शामिल हुए और 144 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इन झड़पों के बाद फ्रांस में महंगाई, सरकारी बजट में कटौती और पुलिस की भूमिका को लेकर लोगों की नाराजगी एक बार फिर सामने आई है।

मुंबई अटैक में मारे गए ब्रिटिश उद्यमी एंड्रियास लिवेरास पर पोती ने लिखी किताब

लंदन। मुंबई में 26 नवंबर 2008 को हुए आतंकवादी हमलों में मारे गए एकमात्र ब्रिटिश नागरिक की पोती ने अपने दादा की याद में एक किताब लिखी है जिसमें उसने उनके जीवन के अंतिम घंटों का ब्योरा देने के साथ ही बड़ी लग्जरी नौकाओं के उद्योग में अग्रणी कारोबारी के तौर पर उनकी विरासत को संजोने की कोशिश की है। तान्या लिवेरास कैंडी की पहली किताब में उनके दादा एवं उद्यमी एंड्रियास लिवेरास के असाधारण जीवन की कहानी है। इसमें साइप्रस के एक गांव में गरीबी में बीते उनके बचपन से लेकर ब्रिटेन में एक सफल कारोबारी साम्राज्य खड़ा करने तक के सफर का वर्णन किया गया है। यह किताब अगले सप्ताह मुंबई आतंकी हमलों की 18वीं बरसी के मौके पर जारी होगी। इसमें 26 नवंबर 2008 को मुंबई के ताजमहल पैलेस होटल में लिवेरास के जीवन के अंतिम घंटों और उससे पहले की घटनाओं का ब्योरा दिया गया है। तान्या ने 'पीटीआई' को दिए एक साक्षात्कार में कहा, ''मेरे दादा को मुंबई हमेशा से बहुत पसंद थी। वह कई साल पहले वहां गए थे और तभी से दोबारा जाने का मौका तलाश रहे थे।'' उन्होंने कहा, ''इसलिए जब भारतीय बाजार में प्रवेश करने के मकसद से ग्राहकों के मनोरंजन के लिए उनकी एक बड़ी आलीशान नौका उधार लेने के संबंध में उनसे संपर्क किया गया, तो उन्होंने तुरंत यह प्रस्ताव स्वीकार कर लिया।'' तान्या ने मुंबई हमलों को याद करते हुए कहा, ''उस शाम वह अपने चालक दल के सदस्यों को ताज होटल के एक रेस्तरां में ले गए और दुर्भाग्य से वे आतंकवादी हमलों में फंस गए।'' तान्या के मन में इस किताब को लिखने का विचार उनके जीवन में हुई एक निजी त्रासदी के बाद आया। कठिन प्रसव के दौरान उन्होंने अपने जुड़वां बच्चों में से एक को खो दिया था। इस दुख से उबरने के लिए उन्होंने लिखना शुरू किया और धीरे–धीरे उनके लेखन ने एक व्यापक कहानी का रूप ले लिया जो 'द विजनरू वन मैन्स एक्स्ट्राऑर्डिनरी लाइफ एंड द सीज दैट शॉक्ड द वर्ल्ड' किताब बनी। तान्या ने कहा, ''मेरे दादा की मौत 21वीं सदी के सबसे बड़े आतंकवादी हमलों में से एक का हिस्सा बन गई लेकिन वह उनके असाधारण जीवन का केवल अंतिम अध्याय था।

फोन की सेटिंग बदलने के बहाने महिला की फोटो गैलरी से चुराई उसकी निजी तस्वीरें, अब ICE की हिरासत में रघुल आनंदकृष्णन



अमेरिका में इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट (आईसीई) ने भारतीय मूल के रघुल आनंदकृष्णन को हिरासत में लिया है। टेक्सस में एक महिला की बिना अनुमति निजी तस्वीरें लेने की कोशिश के मामले में दोषी पाए जाने के बाद उसके खिलाफ यह कार्रवाई की गई है। यह मामला 7 जून का है। आईसीई के मुताबिक, रघुल पहले ही काउंटी जेल में अपनी सजा काट चुका है। अब उसे इमिग्रेशन कोर्ट की कार्यवाही पूरी होने तक आईसीई की हिरासत में रखा जाएगा।

महिला की निजी तस्वीरें खुद को भेजने की कोशिश का आरोप

ऑस्टिन पुलिस को कैपिटल प्लाजा शॉपिंग सेंटर स्थित श्टोटल वायरलेसश स्टोर से एक शिकायत मिली थी। एक महिला ने आरोप लगाया था कि स्टोर में काम करने वाले कर्मचारी ने उसका फोन लेकर उसकी निजी तस्वीरें अपने डिवाइस पर भेजने की कोशिश की। महिला के मुताबिक, वह अपने फोन की सेटिंग बदलवाने के लिए स्टोर पहुंची थी। कर्मचारी ने फोन खोलने के लिए उससे पासकोड मांगा। इसके बाद उसने फोन की सेटिंग खोलने के बजाय फोटो गैलरी खोल ली और एयरड्रॉप के जरिए कुछ निजी तस्वीरें अपने डिवाइस पर भेजने की कोशिश की। महिला ने पुलिस को बताया कि रघुल उसका फोन लेकर स्टोर के पिछले हिस्से में चला गया था। जब वह वापस आया और महिला ने अपना फोन देखा, तो उसे पता चला कि एयरड्रॉप के जरिए उसकी दो निजी तस्वीरें कर्मचारी के डिवाइस पर भेजी गई थीं। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि कर्मचारी ने उसके स्नैपचौट अकाउंट को भी खोला और खुद को उसमें जोड़ लिया। महिला ने पुलिस को साफ बताया कि उसने कर्मचारी को अपनी निजी तस्वीरें देखने, स्नैपचौट अकाउंट खोलने या कोई भी तस्वीर अपने डिवाइस पर भेजने की अनुमति नहीं दी थी। इसके बाद उसने कानूनी कार्रवाई की मांग की।

फोन की सेटिंग बदलवाने आई थी महिला, आरोपी ने खोल ली फोटो गैलरी

फॉक्स 7 ऑस्टिन की ओर से जारी अदालती दस्तावेजों के मुताबिक, 29 वर्षीय रघुल आनंदकृष्णन ने पुलिस को बताया कि महिला अपने आईफोन की नेटवर्क सेटिंग बदलवाने के लिए स्टोर आई थी। हलफनामे के अनुसार, रघुल ने जांचकर्ताओं को बताया कि तस्वीरें ट्रांसफर नहीं हो पाईं और उसने फोन वापस ग्राहक को दे दिया। उसने यह भी स्वीकार किया कि उसे ग्राहक के फोन की सिर्फ नेटवर्क सेटिंग देखने की अनुमति थी। उसे फोन की तस्वीरें या दूसरी निजी जानकारी देखने की इजाजत नहीं थी।

शुरुआत में लगे थे दो आरोप, एक मामले में ठहराया गया दोषी

रघुल पर शुरुआत में दो आरोप लगाए गए थे। इनमें श्इनवेसिव विजुअल रिकॉर्डिंगश यानी बिना अनुमति किसी की आपत्तिजनक तस्वीरें या वीडियो लेने की कोशिश करना और श्कंप्यूटर सिक्योरिटी ब्रीचश यानी बिना इजाजत किसी कंप्यूटर सिस्टम या डिवाइस तक पहुंच बनाना शामिल था। हलफनामे के मुताबिक, दूसरा आरोप ग्राहक के फोन में मौजूद फोटो एप को बिना अनुमति खोलने से जुड़ा था। आईसीई ने बताया कि बाद में रघुल को श्इनवेसिव विजुअल रिकॉर्डिंगश के प्रयास का दोषी ठहराया गया। उसने काउंटी जेल में अपनी सजा पूरी की। इसके बाद इमिग्रेशन अधिकारियों ने उसे हिरासत में ले लिया। अब इमिग्रेशन कोर्ट में होने वाली कार्यवाही पूरी होने तक वह आईसीई की हिरासत में रहेगा।

नेपाल के नए पीएम बालेन शाह का पहला भारत दौरा, पीएम मोदी के साथ बैठक में खुल सकते हैं कई रास्ते



नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र बालेन शाह रविवार (22 नवंबर) से दो दिवसीय आधिकारिक दौरे पर भारत आ रहे हैं। मार्च में प्रधानमंत्री पद संभालने के बाद यह उनका पहला द्विपक्षीय भारत दौरा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर हो रही इस यात्रा से दोनों देशों के रिश्तों को नई गति मिलने की उम्मीद है। इस दौरे के दौरान नेपाल के लिए करीब 2 अरब डॉलर के बड़े आर्थिक पैकेज की घोषणा होने की संभावना भी जताई जा रही है। इसके अलावा दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश, ऊर्जा, सड़क संपर्क और बाढ़ के बाद पुनर्निर्माण जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी।

बालेन शाह के दौरे का पूरा कार्यक्रम

नेपाल के विदेश सचिव अमृत बहादुर राय के मुताबिक, बालेन शाह रविवार दोपहर नेपाल एयरलाइंस की उड़ान से भारत के लिए रवाना होंगे। वह सोमवार शाम को अपनी बैठकें पूरी करने के बाद नेपाल लौट जाएंगे। दौरे के दौरान सोमवार को बालेन शाह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करेंगे। वहीं, विदेश मंत्री एस. जयशंकर के रविवार शाम उनसे मिलने की संभावना है। दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के बीच 23 नवंबर को द्विपक्षीय बातचीत होगी। इस बैठक में भारत और नेपाल के रिश्तों से जुड़े सभी अहम मुद्दों के साथ क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मामलों पर भी चर्चा की जाएगी।

34 सदस्यीय सरकारी और 52 सदस्यीय कारोबारी दल भी आएगा भारत

बालेन शाह के साथ 34 सदस्यीय आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल भी भारत आ रहा है। इसमें नेपाल के वित्त मंत्री स्वर्णिम वाग्ले, विदेश मंत्री शिशिर खनाल और प्रधानमंत्री के मुख्य सलाहकार व राजनीतिक सलाहकार शामिल हैं। इसके अलावा 52 सदस्यों वाला कारोबारी दल भी नई दिल्ली पहुंचेगा। यह दल श्नेपाल–भारत बिजनेस फोरमश में हिस्सा लेगा। इस कार्यक्रम का मकसद दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश को बढ़ावा देना है।

नेपाल को मिल सकता है 2 अरब डॉलर का आर्थिक पैकेज

इस दौरे के दौरान भारत की ओर से नेपाल के लिए बड़े आर्थिक पैकेज की घोषणा हो सकती है। सरकारी सूत्रों के हवाले से सामने आई रिपोर्टों के मुताबिक, इस पैकेज का आकार करीब 2 अरब डॉलर हो सकता है। अगर यह पैकेज इसी रकम के साथ तय होता है, तो यह पड़ोसी देशों को भारत की ओर से दी जाने वाली सबसे बड़ी आर्थिक सहायता योजनाओं में से एक होगा।

बाढ़ के बाद नेपाल के पुनर्निर्माण में मदद पर भी होगी चर्चा

यह दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब नेपाल इस साल अगस्त में आई हिमनद बाढ़ के बाद दोबारा निर्माण के काम में जुटा है। इस आपदा में 1,000 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। वहीं, 7,000 से अधिक घरों और कई जलविद्युत परियोजनाओं को नुकसान पहुंचा था। आपदा के दौरान नेपाल के अनुरोध पर भारत ने बचाव दल भेजकर मदद की थी। अब दोनों देशों के बीच बाढ़ प्रभावित इलाकों के पुनर्निर्माण और जरूरी ढांचे को दोबारा तैयार करने में सहयोग पर चर्चा होने की उम्मीद है।

किन मुद्दों पर होगी मोदी और बालेन शाह की बातचीत?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बालेन शाह की बैठक में कई अहम मुद्दों पर बातचीत हो सकती है। इनमें सड़क और रेल संपर्क को बेहतर बनाना, ऊर्जा और जलविद्युत परियोजनाओं में सहयोग, बाढ़ प्रभावित इलाकों का पुनर्निर्माण, दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश बढ़ाना, स्वास्थ्य, शिक्षा और कृषि के क्षेत्र में सहयोग और दोनों देशों के लोगों के बीच आपसी संपर्क बढ़ाना प्रमुख हैं। इसके अलावा कई संयुक्त संपर्क परियोजनाओं का उद्घाटन और नई परियोजनाओं की घोषणा भी हो सकती है।

बालेन शाह के भारत दौरे की तैयारियां पहले से चल रही थीं

प्रधानमंत्री बनने के शुरुआती महीनों में ऐसी चर्चा थी कि बालेन शाह अपने पहले साल में विदेश यात्राओं से दूरी बना सकते हैं। हालांकि, भारत और नेपाल के बीच इस दौरे की तैयारियां लगातार चल रही थीं। इसी महीने की शुरुआत में भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने नेपाल जाकर बालेन शाह से मुलाकात की थी। इससे पहले नेपाल में भारत के राजदूत सुधाकर दलेला ने भी दौरे की तैयारियों को लेकर उनसे बातचीत की थी। भारतीय विदेश मंत्रालय ने दोनों देशों के रिश्तों को लेकर कहा है, ष्भारत और नेपाल ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सभ्यतागत जुड़ावों पर आधारित घनिष्ठ व मैत्रीपूर्ण संबंध साझा करते हैं।ष मंत्रालय के मुताबिक, अब दोनों देशों के रिश्ते स्टार्ट–अप, तकनीक, नए प्रयोग और खेल जैसे नए क्षेत्रों में भी आगे बढ़ रहे हैं।

बांग्लादेश के नरैल में बांग्लादेश नेताओं के ठिकानों पर हमला, 30 घरों में लगाई आग

बांग्लादेश के नरैल जिले के एक गांव में अवामी लीग के नेताओं और कार्यकर्ताओं की संपत्तियों पर हमले के बाद करीब 30 घरों में आग लगा दी गई। स्थानीय मीडिया ने खबर दी कि देश के अन्य हिस्सों में भी राजनीतिक हिंसा फैलने के बीच सुरक्षा बलों ने अपनी तैनाती बढ़ा दी है। 'प्रथम आलो' अखबार के मुताबिक, नरैल जिले के कालिया उपजिला के बेंदरचार गांव में शुक्रवार दोपहर से आधी रात तक हमले हुए। इस दौरान कई घरों और दुकानों में तोड़फोड़ और लूटपाट भी की गई। निशाना बनाई गई संपत्तियों में अवामी लीग के पूर्व सांसद बी. एम. कबीरुल हक मुक्ती, कालिया नगरपालिका के पूर्व महापौर मुशफिकुर रहमान लिटन और पार्टी के स्थानीय महासचिव कृष्णपद घोष के आवास शामिल थे। अखबार ने बताया कि रात करीब आठ बजे गांव पहुंचे दमकलकर्मियों ने 20 से 30 घरों में आग लगी देखी। स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के समर्थकों ने करीब 50 घरों और दुकानों में तोड़फोड़ की, लूटपाट की और आग लगा दी। हालांकि, स्थानीय बीएनपी नेतृत्व ने इन आरोपों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया। कालिया उपजिला के कार्यकारी अधिकारी मोहम्मद जिन्नातुल इस्लाम ने कहा कि पूर्व सांसद के घर सहित कई मकानों में तोड़फोड़ की गई और पांच से छह घरों में आग लगाई गई। उन्होंने मुक्ती और घोष के घरों पर हमलों की पुष्टि की, लेकिन कहा कि प्रशासन अभी तक यह पता नहीं लगा पाया है कि इसके लिए कौन जिम्मेदार है। 'प्रथम आलो' के मुताबिक, मामले की जांच की जा रही है। स्थानीय मीडिया में उद्धृत नरैल जिला पुलिस के एक बयान में कहा गया कि पिछले सप्ताह हिंसा में मारे गए बीएनपी के दो नेताओं के रिश्तेदार और समर्थक शुक्रवार दोपहर बेंदरचार में एकत्र हुए थे। उन्होंने अवामी लीग के उन नेताओं और कार्यकर्ताओं के घरों पर हमला किया, जिन पर कथित तौर पर दोनों नेताओं की हत्या में शामिल होने का आरोप है। पुलिस ने कहा कि वह मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में किया। उसने यह भी बताया कि अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। नरैल के पुलिस अधीक्षक मोहम्मद अल मामुन सिकदर ने अलग से 'प्रथम आलो' को बताया कि मारे गए बीएनपी नेताओं के रिश्तेदारों और समर्थकों ने तीन से चार घरों पर हमला करके उनमें तोड़फोड़ की। नरैल में ये हमले 18 नवंबर को बीएनपी की मोटरसाइकिल रैली पर हुए हमले में पार्टी से जुड़े दो नेताओं की हत्या के बाद हुए हैं। 'प्रथम आलो' के मुताबिक, एक अन्य घटना में बृहस्पतिवार रात से शुक्रवार शाम के बीच पातुआखाली में अवामी लीग के तीन पूर्व सांसदों के घरों पर हमला करके तोड़फोड़ की गई। पाबना जिले की बेरा नगरपालिका में शनिवार को बीएनपी और अवामी लीग के समर्थकों के बीच झड़पें भी हुईं। 'द डेली स्टार' के मुताबिक, पूर्वाह्न करीब 11 बजे शुरू हुई हिंसा दोपहर तक जारी रही। स्थिति को नियंत्रण में करने के लिए पुलिस को रबर की गोलियां और आंसू गैस के गोले दागने पड़े। इस बीच, कानून–व्यवस्था बनाए रखने और आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) ने कई जिलों में 95 प्लाटून तैनात की हैं। इनमें गोपालगंज में दो बटालियन शामिल हैं। बीजीबी मुख्यालय के एक बयान के मुताबिक, गृह मंत्रालय के निर्देश पर ढाका, नारायणगंज, गाजीपुर, गोपालगंज, मैमनसिंह, फरीदपुर और कॉक्स बाजार में जवानों की तैनाती की गई है।

'बेपीकोलंबो' अंतरिक्ष यान 8 साल बाद बुध की कक्षा में पहुंचा, ESA ने की पुष्टि

आंतरिक सौर मंडल में आठ साल की लंबी यात्रा के बाद दो अंतरिक्ष यान सूर्य के सबसे करीब स्थित बुध ग्रह की कक्षा में पहुंच गए हैं और अब ये दोनों यान अलग–अलग कक्षाओं से इस सबसे छोटे ग्रह के उन रहस्यों से पर्दा उठाएंगे जिनकी गुत्थी वैज्ञानिक अब तक नहीं सुलझा सके हैं। यूरोपीय और जापानी अंतरिक्ष एजेंसियों के ये दो रोबोटिक खोजी यान अगले महीने एक–दूसरे से अलग हो जाएंगे। इसके बाद वे अलग–अलग ऊंचाइयों से इस तपते हुए छोटे ग्रह का मानचित्र तैयार करेंगे और उसका अध्ययन करेंगे। दो अरब डॉलर की इस संयुक्त अंतरिक्ष यात्रा को 'बेपीकोलंबो' नाम दिया गया है। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी ने शनिवार को सोशल मीडिया के माध्यम से 'बेपीकोलंबो' के बुध ग्रह पर पहुंचने की घोषणा की। प्रणोदक को कई बार चालू करके अंतरिक्ष यान की गति इतनी कम की गई कि ग्रह के कमजोर गुरुत्वाकर्षण ने उसे अपनी कक्षा में खींच लिया। हालांकि, जर्मनी में बैठे उड़ान नियंत्रकों को यह पुष्टि करने में कई घंटे लग गए कि बेपीकोलंबो बुध की कक्षा में पहुंच चुका है। वे ग्रह से 9.4 करोड़ मील दूर थे। बेपीकोलंबो बुध ग्रह पर पहुंचने वाले तीसरे अंतरिक्ष यान हैं। बुध सूर्य के सबसे नजदीक स्थित ग्रह है और आकार में हमारे चंद्रमा से थोड़ा ही बड़ा है। एक दशक से अधिक समय बाद यह पहला अंतरिक्ष मिशन है जो बुध तक पहुंचा है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा का 'मैरिनर–10' अंतरिक्ष यान 1970 के दशक के मध्य में तीन बार बुध ग्रह के पास से गुजरा था। इस मिशन की टीम में दिवंगत इतालवी गणितज्ञ ज्यूसेपे बेपी कोलंबो भी शामिल थे, जिनके नाम पर इस नए मिशन का नाम रखा गया है। नासा का मैसेंजर अंतरिक्ष यान 2011 में बुध की कक्षा में पहुंचा था। ईंधन खत्म होने के बाद 2015 में वह ग्रह से टकराकर नष्ट हो गया।

वर्ष 2018 में प्रक्षेपित बेपीकोलंबो ने बुध तक पहुंचने के लिए धीमा और घुमावदार रास्ता अपनाया। इस दौरान वह एक बार पृथ्वी, दो बार शुक्र और छह बार बुध ग्रह के पास से गुजरा। इन ग्रहों के गुरुत्वाकर्षण का इस्तेमाल करके उसकी दिशा और गति बदली गई। इस पूरी यात्रा में अंतरिक्ष यान ने छह अरब मील से अधिक दूरी तय की। मिशन के प्रमुख वैज्ञानिक गेरेंट जोन्स ने कहा कि वह और उनकी टीम के अन्य सदस्य वसंत ऋतु में नए आंकड़ों के मिलने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस मिशन से ग्रह पर एक ही समय में दो अंतरिक्ष यानों द्वारा किए गए अभूतपूर्व मापों की तुलना करने का अवसर मिलेगा। अलग–अलग कक्षाओं में पहुंचने के बाद यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी का उपग्रह और जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी का छोटा अंतरिक्ष यान बुध के घने आंतरिक भाग और बाहरी चुंबकीय क्षेत्र का अध्ययन करेंगे।



प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।